INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-349 | मथुरा, गुरुवार, 12 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

अभागिन वृद्धा की मौत गांव में बनी चर्चा का कारण

तीन–तीन बेटे होते हुए भी मुखाग्नि देने वाला कोई नहीं

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां थाने के कोटवन में रहने वाली 65 वर्षीय गरीब अभागिन विधवा की मौत पर ग्रामीणों को इस बात का बेहद अफसोस है कि उसके तीन–तीन जवान बेटे होते हुए भी मुखाग्नि देने वाला कोई नहीं है। हालांकि उसकी दोनों बेटियां भी गांव आ चुकी हैं। कोटवन की रहने वाली वृद्धा रेवती के पति की मौत काफी समय पहले हो चुकी थी। रेवती की आर्थिक स्थिति भी ज्यादा ठीक नहीं थी। वह किसी तरह गांव में काम करने के बाद अपना गुजार कर रही थी। गांव में पड़ोसी से हुए झगड़े में उसके तीन बेटे सत्यवीर, रतन और देव दो साल से जेल में हैं। उनकी जमानत के लिए गरीब रेवती ने भरपूर प्रयास किए लेकिन आर्थिक तंगी के चलते जमानत नहीं हो सकी। विधवा इसे लेकर बेहद परेशान रहती थी। लोग उसकी इस हालत को देख बेहद दुखी होते थे। बेटों की जमानत न होने पर वृद्धा पूरी तरह टूट गई थी। कभी–कभी जेल में भी वह बेटों से मिलने पहुंच जाती थी। इसी चक्कर में उसका स्वास्थ्य भी पूरी तरह से खराब हो गया था। उसकी कल गांव में मौत हो गई।

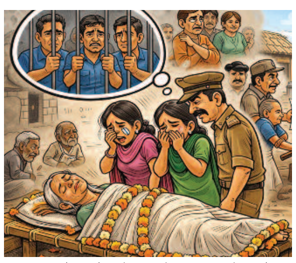

भाइयों को जेल से बुलवाने को बहन ने की बेवकूफी

यूनिक समय, मथुरा। रेवती की मौत के बाद जब उसके बेटों को किसी तरह आने की उम्मीद नहीं रही तो किसी ने उसकी बेटी को कह दिया कि मां की मौत के बारे में पुलिस को कॉल कर दे। बेटी ने कॉल कर दी, लेकिन बेटे तो नहीं आए। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों का कहना है कि बेटी अगर पुलिस को फोन नहीं करती तो उसका पोस्टमार्टम नहीं कराना पड़ता।

जेल में बंद बेटों को नही मिली मां के अंतिम दर्शन की अनुमति

यूनिक समय, मथुरा। वृद्धा की मौत से ग्रामीण बेहद दुखी थे। ग्रामीणों ने वकील के माध्यम से जेल में बंद बेटों को मां के अंतिम दर्शन करने और अंतिम संस्कार की क्रियाओं के लिए जेल से बाहर आने के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। ग्रामीणों का कहना है लेकिन इस मामले में मंजूरी नहीं मिली। पोस्टमार्टम के बाद रेवती का शव लेने के लिए आए उसके पड़ोसी पप्पू और एक दूसरे ग्रामीण ने बताया कि जिन बेटों के जमानत के प्रयास करते करते वह चल बसी। अब वे बेटे अपनी मां के अंतिम दर्शन तक नहीं कर पा रहे हैं। बेटों के दिल पर मां की मौत का क्या असर होगा जब उन्हें इस बात का पता लगेगा। पप्पू का कहना है कि मैं और गांव के अन्य लोग उसका अंतिम संस्कार करेंगे। हमे इस बात का बेहद दुख है कि तीन तीन जवान बेटे होने के बाद भी उसको मुखग्नि देने वाला कोई नहीं है।

विकास प्राधिकरण का सख्त एक्शन

अग्निकांड के बाद सील किया होटल

होटल पर कार्रवाई करती एमवीडीए की टीम।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। रुक्मणि बिहार आवासीय योजना में कल एक होटल में लगी आग के बाद मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण के अधिकारी एक्शन में आ गए। आवासीय भवन के नाम पर होटल का निर्माण करने के मामले में प्राधिकरण के अधिकारियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए होटल सिद्ध विनायक को सील कर दिया है। गौरतलब है कि इस होटल में कल 4:00 बजे करीब भीषण आगजनी हो गई थी। कई लोगों की जान जाते–जाते बची। आगजनी की सूचना मिलते ही पूरे रूकमणि विहार क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। जिलाधिकारी सीपी सिंह को दलबल के साथ मौके पर पहुंचना पड़ा। प्राधिकरण सचिव के अनुसार भूखंड संख्या एस–1/108 का नक्शा आवासीय भवन के रूप में स्वीकृत कराया गया था जबकि मौके पर व्यावसायिक उपयोग करते हुए होटल का संचालन किया जा रहा था। जांच में यह भी पाया गया कि स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण करते हुए पार्किंग स्थल पर हॉल व कमरे बना दिए गए। यह भी सामने आया कि संबंधित मानचित्र वर्ष 2024 में तत्कालीन अभियंताओं द्वारा स्वीकृत किया गया था। इस संबंध में अवर अभियंता दिनेश गुप्ता, मनोज अग्रवाल एवं अनिल सिंघल से स्पष्टीकरण मांगा है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी

सभी होटल और गेस्ट हाउसों की होगी जांच: डीएम

होटल सिद्ध विनायक की जांच सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपी

सीपी सिंह ने पूरे मामले की जांच नगर मजिस्ट्रेट को सौंप दी है। नगर मजिस्ट्रेट यह जांच करेंगे कि अग्निशमन विभाग एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एनओसी किस आधार पर जारी की गई तथा आवासीय मानचित्र के विपरीत होटल संचालन की अनुमति कैसे मिली। इसके साथ ही यह भी जांच होगी कि विकास प्राधिकरण में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण कैसे किया गया और इसमें किन अधिकारियों की भूमिका रही।

एमवीडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर रुक्मणि बिहार एवं चैतन्य विहार आवासीय योजनाओं में आवासीय उपयोग के विपरीत निर्मित एवं संचालित भवनों की जांच के लिए अभियंताओं की विशेष टीम गठित की गई है। टीम द्वारा ऐसे सभी भवनों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण सचिव आशीष कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियां नियम विरुद्ध हैं। उल्लंघन पाए जाने पर भवन सील करने के साथ संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्यसभा सदस्य राधा मोहन दास अग्रवाल का दुख भरा बयान

माँ–बाप को भारत में तड़पता छोड़ विदेश में आनंद ले रहे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राज्यसभा सदस्य डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल कुछ वयोवद्ध दंपति के दर्द को बयां किया..जो लोग माँ–बाप को भारत में तड़पता छोड़कर विदेश में आनंद ले रहे हैं। उनका पासपोर्ट रद्द किया जाए। आगे सुझाव भी रखा कि हर छह माह पर माता–पिता से संतुष्टि प्रमाण पत्र लिया जाए। संदेश साफ़ है: अधिकार से पहले कर्तव्य। करियर से पहले संस्कार। ग्लोबल लाइफ़स्टाइल से

पहले परिवार। अब सवाल उठेगा–क्या यह कड़ा कदम जरूरी है? या व्यक्तिगत स्वतंत्रता में दखल?। सोशल मीडिया पर चल रहे राज्यसभा सदस्य डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल के बयान को लेकर एक बहस सी छिड़ गई है। अधिकांश लोग उनके बयान से पूरी तरह से सहमत नजर आ रहे हैं। डॉ. अग्रवाल ने हजारों लोगों के दर्द को बयां किया हकीकत में अपनी संतान के इंतजार में आखिरी सांस लेकर दुनिया से विदा ले लेते हैं। माता–पिता ने मेहनत करके अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाई। शिक्षा के साथ उनकी शादी कराई, जिससे बेटे और बहू उनकी अच्छी तरह से देखभाल करेंगे, लेकिन विदेश में जाकर वह अपने माता पिता को भूल गए। वह अपनी संस्कृति और संस्कारों को भूल गए। स्थिति यह हो गई है कि कई घरों में वृद्ध दंपति दूसरे के सहारे अपनी जिंदगी बिता रहे हैं। उनकी ना सेवा करने वाला है और कोई दो रोटी और दवा देने वाला। केवल घर में काम करने वाली या करने वाले ही उनके दुख में काम आ रहे हैं। वृंदावन स्थित एक आश्रम में एक नहीं कई वृद्ध व महिलाएं हैं, जिनका अच्छा खासा परिवार होते हुए अकेले पन की जिंदगी जी रहे हैं।

चुनाव | अगले साल विधानसभा चुनाव की आहट

दावेदार कार्यक्रमों में दिखा रहे अपनापन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। विधानसभा चुनाव 2027 के मैदान में उतरने के लिए दावेदारों ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। दावेदार अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए वैवाहिक समेत अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। फिर फोटो खिंचवाकर फेसबुक पर डलवा रहे हैं। फोटो दिखाकर वह दावेदार अपनी सक्रियता का प्रमाण पत्र दे रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 11 फरवरी को वर्ष 2026–27 का बजट पेश कर साफ संकेत दे दिया कि अगले वर्ष विधानसभा चुनाव हैं। राजनीति गलियारों में भी बजट को चर्चा हो

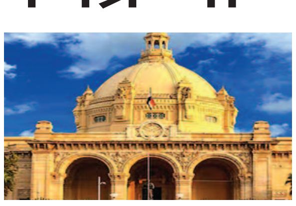

चुकी है कि सरकार ने चुनाव को देखकर ही बजट पेश किया है। सरकार के संकेतों को देखते हुए दावेदार भी सक्रिय हो गए हैं। वजह है कि मथुरा संसदीय क्षेत्र में मथुरा–वृंदावन, छाता, गोवर्धन, गोकुल एवं मांट विधानसभा सीट हैं। इन सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए मुख्यतः भाजपा, बसपा, कांग्रेस और सपा के प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरेंगे। कई दावेदारों ने तो अपने आपको अभी से प्रत्याशी घोषित कर दिया है। भले ही चुनाव में उनको टिकट मिले या नहीं। खैर, इस वैवाहिक कार्यक्रम का शोर है। नेताओं को भी निमंत्रण कार्ड मिल रहे हैं। वह नेता वैवाहिक कार्यक्रम में भी आ जा रहे हैं। इनमें अधिकांश तो चुनाव मैदान में उतरने वाले दावेदार ही हैं। सोशल मीडिया पर यह दावेदार भी पूरी तरह से ऐसे छाते हैं, जिससे जनता के बीच चर्चा का विषय बन जाते हैं। जानकारों की मानें तो कई दावेदारों ने अभी से लखनऊ और दिल्ली के गलियारों में अपनी सेटिंग बैठाना शुरू कर दिया है। टिकट वितरण के समय में प्रदेश और केंद्रीय हाईकमान की बैठक में कोई चुनाव और प्रत्याशियों की चर्चा हो तो उनके नाम की चर्चा जरूर हो। कई दावेदारों तो भविष्यवक्ताओं की भविष्यवाणी को गंभीरता लेते हुए आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन यह तो चुनाव का वक्त बताएगा कि टिकट की बाजी कौन दावेदार मारेगा।

फिर सोशल मीडिया पर दिखा रहे हैं अपनी मौजूदगी

हम आपके कितने हैं शुभ चिंतक समझ लो...

चुनाव में क्या छाता चीनी मिल का मुद्दा फिर छाएगा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। छाता चीनी मिल का मुद्दा क्या फिर विधानसभा चुनाव 2027 में छाएगा। कुछ ऐसा संकेत किसानों की बातों से लग रहा है। वर्ष 2022 में विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने छाता तहसील क्षेत्र में एक चुनावी सभा में छाता चीनी मिल चलवाने की घोषणा की थी, लेकिन फिर 2027 में चुनाव बिगुल बजने की घड़ी आ गई। पर छाता चीनी मिल ने गन्ना उत्पादक किसानों को निराश कर दिया। इस बजट में छाता चीनी मिल के बारे में कुछ प्रस्तावित योजना की घोषणा नहीं की। बजट को लेकर किसान काफी आशावान थे। लग रहा है कि विधानसभा चुनाव 2027 में छाता क्षेत्र में छाता चीनी मिल का मुद्दा जोरदारी से गूंजेगा। विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर भाजपा को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करेंगे। प्रश्नों की बौछार भी करेंगे कि क्या हुआ चीनी मिल का। कहां तक काम पहुंचा चीनी मिल का। राजनीति गलियारों में यह भी चर्चा है कि इस समय रालोद और भाजपा गठबंधन है। सपा, कांग्रेस और बसपा के नेता भाजपाइयों को कठघरे में खड़ा करेंगे। रालोद के नेताओं की क्या भूमिका होगी, यह आने वाला वक्त ही बताएगा। यदि चुनाव में रालोद भाजपा से अलग होकर चुनाव लड़ेगी तो चीनी मिल का प्रश्न पूछेगी, यदि तो असंमजस की स्थिति में होगी।

हर की पौड़ी की झलक दिखाई देगी वृंदावन में

केशीघाट से जुगल घाट तक बन रही कृष्ण की पौड़ी

वृंदावन में घाट के सहारे यमुना का नजारा।

घाट निर्माण के लिए बालू को हटाने के लिए जुटी मशीन।

यूनिक समय, वृंदावन। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा ब्रज क्षेत्र के कायाकल्प और सुंदरीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। हरिद्वार की हर की पौड़ी की तर्ज पर अब वृंदावन में यमुना किनारे घाटों का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है। यमुना किनारे स्थित केशीघाट से लेकर जुगल घाट तक इन नए घाटों का निर्माण किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को पर्यटन विभाग, सिंचाई विभाग और पीसीएल द्वारा संयुक्त रूप से धरातल पर उतारा जा रहा है। प्रोजेक्ट के सुपरवाइजर नीरज कुमार के अनुसार इस पूरे कार्य को तीन वर्ष की अवधि में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह पूरा प्रोजेक्ट करीब 200 करोड़ रूपये की लागत से बनेगा। पिछले एक महीने से निर्माण कार्य गति पकड़ चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ब्रज सुंदरीकरण योजना के तहत बन रहे ये घाट न केवल यमुना की भव्यता को बढ़ाएंगे, बल्कि वृंदावन आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र भी होंगे। हरिद्वार की हर की पौड़ी जैसा स्वरूप मिलने से यहाँ आने वाले भक्तों को सुगम और सुंदर वातावरण प्राप्त होगा। इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ यमुना किनारों का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा।

तापमान / मौसम

26 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

12 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,62,022

22 कैरेट 1,49,040

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,70,000 प्रति किलो

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

महामंडलेश्वर और संतों का हिंदू समाज से एकजुटता पर जोर

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक जगदीश ने कहा है कि हम आज वैचारिक भ्रम में जी रहे हैं। संस्कार और संस्कृति पर चलने वाला समाज आज नष्ट हो रहा है, प्राचीन जीवन शैली को फिर से अपने से ही हिंदू समाज का भला होगा, इसलिए सभी को मिलकर परिवार के माध्यम से ही गौरवशाली समाज की स्थापना करनी होगी। गुरुवार को कस्बा स्थित सेठ प्रेम सूरदास भगत इंटर कॉलेज में आयोजित हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए क्षेत्र प्रचारक ने कहा कि आज हमको भाषा और क्षेत्र, जाति के नाम पर बांटा जा रहा है। संघ 100 साल से इस खाई को भरने में जुटा है, लेकिन कुछ पश्चिमी ताकतों को संघ का यह काम रास नहीं आता है, इसलिए हिंदू समाज को अपने विवेक का इस्तेमाल करके एकजुट का परिचय देना होगा। संस्कार दर्शाने और संस्कृति की बोली वाले समाज को नष्ट होने से बचाने के लिए सभी को मिलकर

गुरुवार को कस्बा में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मौजूद महिलाएं।

चलना होगा। पर्यावरण की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए कुछ काम हम घर से ही कर सकते हैं। पौधा लगाकर पेड़ बनाने की चिंता हमको करनी होगी। घर से ही हम पानी बचाकर पेड़ों को जिंदा रख सकते हैं, घर को पॉलीथिन से मुक्त भी कर सकते हैं। राष्ट्रीय केसरिया हिंदू वाहिनी की राष्ट्रीय संरक्षिका आचार्य नीरज ने मातृशक्ति को आह्वान करते हुए कहा कि वह रील से निकलकर जीवन की रील को संवारने का काम करें, बच्चों को संस्कार दें, गलत आदतें नहीं पड़ने दें। हिंदू समाज को एकजुट करने के लिए मातृशक्ति अपना योगदान निभाए। अखिल भारतीय हिंदू महासभा की जिलाध्यक्ष छाया गौतम ने लव जिहाद का मुद्दा उठाया।

कहा कि मातृशक्ति को इसके खिलाफ खड़ा होना होगा। बेटियों को संस्कार देने होंगे, जिससे सिर नहीं झुक सके। लव जिहाद को हम केवल बेटियों को संस्कार देकर और सुधार कर ही मिटा सकते हैं। चतुर्थ

परिवार के माध्यम से करें गौरवशाली समाज का निर्माण

संप्रदाय विरक्त वैष्णव परिषद के महंत मोहिनी बिहारी शरण ने कहा कि समाज में बन रहे समरसता के भाव को यूजीसी ने बिगाड़ दिया है। अध्यक्षता करते हुए श्री श्री हरिदास पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद महाराज ने हिंदू सम्मेलन में मौजूद मातृशक्ति और अन्य को आशीर्वाद दिया। संचालन अशोक कुमार शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में लव कुश अग्रवाल, मनीष गर्ग, राजेश उदयवाल, अजय मित्तल, रामलाल सिंघल, सोनू बंसल, श्री कृष्ण जन्म भूमि न्यास जिलाध्यक्ष सुखराम सिंह, जगदीश सिंह बघेल, पूरन सिंह, पप्पू हलवाई, मल्ल सिंह बाल्मीकि, आरती अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीति गर्ग, भावना बंसल, मंजू राजावत आदि मौजूद थे। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

नियम के विरुद्ध कैमारवन के पास दुकानों का नक्शा बदला

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा-वृन्दावन में सरकारी संपत्तियों के दुरुपयोग और नियमों को ताक पर रखकर निजी लाभ कमाने का एक बड़ा मामला सामने आया है। वृन्दावन के कैमार वन विद्यापीठ क्षेत्र में नगर निगम की लगभग 25 दुकानों का स्वरूप बदलकर उन्हें एक बड़े मॉल में तब्दील कर दिया गया है। इस मामले में पार्षदों ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर राजस्व की भारी चपत लगाने का आरोप लगाते हुए जाँच और आवंटन निरस्त करने की मांग की है। पार्षद राजीव कुमार सिंह, मुन्ना मलिक और कुलदीप पाठक, श्रीमती नीलम गोयल एवं गुलशन ने नगर आयुक्त को दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार कैमार वन विद्यापीठ के पास नगर निगम की भूमि पर करीब 25 दुकानें आवंटित की गई थीं। आरोप है कि इन आवंटियों ने निगम

कई पार्षदों ने नगर आयुक्त को भेजा पत्र

के नियमों के विरुद्ध जाकर दुकानों की दीवारों को हटाकर उसे एक आलीशान मॉल का रूप दे दिया। शिकायत में गंभीर आरोप यह है कि इस नवनिर्मित मॉल को 'नाथूराम स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट' को लाखों रुपये महीने के किराए पर (शिकमी किरायेदार के रूप में) उठा दिया गया है। नियमों के मुताबिक आवंटित संपत्ति को इस तरह व्यावसायिक रूप से उप-किराये पर देना पूरी तरह प्रतिबंधित है। पार्षदों का कहना है कि जहाँ निगम को मामूली किराया मिल रहा है वहीं आवंटी सरकारी जमीन पर लाखों की कमाई कर रहे हैं जिससे नगर निगम को सीधे तौर पर बड़े राजस्व की हानि हो रही है। उन्होंने नगर आयुक्त से इस मामले की तत्काल उच्च स्तरीय जाँच कराने की मांग की।

चौबिया पाड़ा में 14 को लगेगा नि:शुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर

यूनिक समय, मथुरा। कल्याण करोति नेत्र संस्थान गोवर्धन रोड जचौदा के तत्वावधान मे 14 फरवरी को निशुल्क नेत्र जाँच व परामर्श शिविर शहर के महोली की पौर चौबिया पाड़ा कोतवाली रोड पर सुबह 10 बजे से 4 बजे तक लगेगा शिविर मे नेत्र विकार निवारण दवा व आवश्यकता नुसार चश्मा भी वितरित होंगे। किसी मरीज को अधिक परेशानी होने पर उसके ऑपरेशन का भी प्रयास रहेगा। शिविर मे योग्य चिकित्स्कों द्वारा आधुनिक मशीनों से जाँच की जायेगी दवा दी जायेगी।

शिविर मे वार्ड 61, चौबिया पाड़ा, वार्ड 64 नगला पइसा, वार्ड 35 वंन खंडी भैंस बहोरा, वार्ड 5 भरतपुर गेट व आसपास के शहरी क्षेत्र के नेत्र रोगियों का निशुल्क परीक्षण व जाँच की जायेगी।

संयुक्त किसान मोर्चा भी आया केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ

संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसान कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्ट्रेट पर एसडीएम को ज्ञापन दिया। राष्ट्रव्यापी आंदोलन के माध्यम से मांग रखते हैं। मजदूर समेत किसानों तथा देश के हित में मुद्दों को गंभीरता से लें और एनडीए सरकार पर दबाव बनाने के लिए हस्तक्षेप करें।

अमेरिका के साथ किए मुक्त व्यापार समझौते को रद्द किया जाए। बीज विधेयक 2025 वापस लिया जाए। सभी फसलों के लिए कानूनी रूप से गारंटीकृत खरीद के साथ सी 2 +.50 प्रतिशत के अनुसार एमएसपी हो। चार श्रम संहिताओं को निरस्त करें, और श्रम कानूनों की पुनः बहाली की जाये, श्रम की आउटसोर्सिंग और ठेकेदारी को समाप्त करें, सभी के लिए रोजगार सुनिश्चित करें।

कलेक्ट्रेट पर एसडीएम को ज्ञापन दिया

सांसद अरुण सिंह ने राज्यसभा में उठाई आवाज

मथुरा-वृंदावन में मेट्रो और हाईस्पीड रेल चलाई जाए

यूनिक समय, नई दिल्ली। ब्रज क्षेत्र के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर राज्यसभा में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया गया। भाजपा सांसद अरुण सिंह ने सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान मथुरा-वृंदावन एवं गोवर्धन में लगातार बढ़ रही भीड़ और यातायात की समस्याओं की ओर आकर्षित किया। सांसद अरुण सिंह ने मांग की है कि मथुरा और वृंदावन के बीच एक आधुनिक परिवहन प्रणाली, जैसे मेट्रो या रैपिड रेल, की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने तर्क दिया कि विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल होने के कारण यहाँ आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है।

राज्यसभा में मथुरा, वृंदावन एवं गोवर्धन में मेट्रो और हाईस्पीड ट्रेन की मांग का मुद्दा उठाते सांसद अरुण सिंह।

उन्होंने कहा कि दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले पर्यटकों के लिए कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाया जाना चाहिए ताकि स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों दोनों को राहत मिल सके। सदन में अपनी बात रखते हुए सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि परिवहन व्यवस्था आधुनिक होती है, तो इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास के नए द्वार भी खुलेंगे। सदन की कार्यवाही के दौरान राज्यसभा के सभापति (उपराष्ट्रपति) सी.पी. राधाकृष्णन ने सांसद की बात को सुना। अरुण सिंह ने अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखते हुए ब्रज के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

अरुण सिंह ने ब्रज के विकास के प्रति भी अपनी प्रतिबद्धता जताई

शहीद परिवार के साथ मारपीट के विरोध में लगाया जाम

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, सौंख (मथुरा)। शहीद परिवार पर आधा दर्जन हमलावरों ने हमला कर दिया। झगड़े में दोनो ओर से पांच लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने हॉस्पिटल भेज दिया। पुलिस कार्यवाही से संतुष्ट न होने पर शहीद परिवार ने सौंख गोवर्धन मार्ग पर जाम लगा दिया। थाना मगोर्रा के गांव नगला खुटिया निवासी शहीद पुष्पेंद्र सिंह के पिता तेज सिंह और माँ महावीरी देवी, भाई बनवारी लाल सहित अन्य परिवारीजन गांव में रहते हैं। बुधवार को गांव के आधा दर्जन लोगों ने तेज सिंह के घर पर हमला कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है। बृहस्पतिवार की सुबह करीब 8 बजे शहीद की माँ महावीरी देवी गोवर्धन मार्ग स्थित शहीद पुष्पेंद्र सिंह के स्मारक के लिए जा रही थी। तभी नामजदों ने महावीरी देवी को पकड़ लिया और मारपीट कर दी। मामले के कार्यवाही नहीं होने पर शहीद के पिता तेज सिंह सहित अन्य परिजन ने राष्ट्रीय ध्वज लेकर सौंख गोवर्धन मार्ग पर बैठकर जाम लगा दिया। प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। नामजद हमलावरों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करने लगे। इससे मार्ग पर आवागमन बंद हो गया। मौके पर पुलिस जाम स्थल पर पहुँच गई। थाना प्रभारी हरीश चौधरी द्वारा कार्यवाही करने के आश्वासन पर जाम को खोल दिया। बृहस्पतिवार की दोपहर करीब 1 बजे दोनों पक्षों में दुबारा मारपीट कर झगड़ा हो गया। विवाद में दोनों पक्षों के पांच लोग घायल हो गए।

शहीद के भाई बनवारीलाल से वार्ता करते थाना प्रभारी हरीश चौधरी।

मारपीट में दोनों पक्षों के पांच लोग हुए घायल

पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई का दिया भरोसा

पुलिस ने शहीद पुष्पेंद्र के भाई बनवारीलाल, भाभी आरती देवी, भतीजा सूरज और दूसरे पक्ष से घायल हुए गौरव व जयवीर को अस्पताल भेज कर भर्ती कराया। थाना प्रभारी का कहना है कि शहीद के परिजन के साथ नामजदों ने मारपीट की है। मामले जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

पूर्व आईपीएस अधिकारी की फर्जी आईडी से पत्रकार के साथ ठगी का प्रयास

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। पुलिस साइबर ठगों के विरुद्ध बड़ी बड़ी कार्यवाही कर रही है तो वहीं दूसरी ओर साइबर ठग हैं कि मानते नहीं। ताजा मामला कस्बा का है। पत्रकार नरेश उपाध्याय को पूर्व आईपीएस अधिकारी राकेश सिंह की फर्जी आईडी से मैसेज किया गया कि मैं राकेश सिंह बोल रहा हूं। मेरे एक मित्र सीआरपीएफ में है। उनका ट्रांसफर हो गया है। जम्मू कश्मीर में तो वो अपना नया फर्नीचर बहुत कम दाम में बेचकर जा रहे हैं और उनको पैसे की अर्जेंट आवश्यकता है। आप उस फर्नीचर को ले लेना। उनको पैसे दे देना। उसके बाद पत्रकार को एक नम्बर 9979178232 से कॉल आया कि मैं संतोष कुमार सीआरपीएफ में हूं और राकेश सिंह ने आपका नंबर दिया है आप मेरा फर्नीचर ले लो और 80000 मुझे फोन पर डाल दो। नरेश उपाध्याय ठगी की इस प्रक्रिया को भांप कर तुरंत थाने पहुंचे और थाना प्रभारी भगवत सिंह को पूरे प्रकरण से अवगत कराया और प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की।

वीडियो में इंस्पेक्टर व थाने की बोली लगाने वाला गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने एक युवक को वीडियो वायरल करके पुलिसकर्मियों और थाने की बोली लगने के मामले गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके कब्जे से एक देशी तमंचा कारतूस भी मिले हैं। इंस्ट्राग्राम सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल काफी तेजी के साथ वायरल हुआ था। वीडियो में बैक ग्राउंड में गाना बज रहा था। इसके साथ ही थाने और पुलिस कर्मियों की बोली लगाते हुए एक युवक की आवाज आ रही थी। हवलदार 1000, इंस्पेक्टर की दस हजार और थाने की एक लाख रुपये की बोली लगाई जा रही थी। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया और वायरल वीडियो के बारे अच्छी तरह से छानबीन की। छानबीन के दौरान देवसेरस के रहने वाले रोबिन पुत्र रहीस निवासी देवसेरस का नाम प्रकाश में आया। पुलिस ने उसको गिरफ्तार करने के लिए दबिश दी। कल रात युवक के बारे में सूचना मिली कि वह गांठौली –देवसेरस बम्बे की पुलिया के समीप है। पुलिस ने तुरंत वहां पहुंचकर उस गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देशी तमंचा करातूस बरामद हुए हैं।

युवक से देशी तमंचा व कारतूस भी हुए बरामद

खेत में कीटनाशक छिड़क कर घर लौटते ग्रामीण की हुई मौत

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना बरसाना के गांव पिसावा में खेत में दवा छिड़कने के बाद घर लौटा ग्रामीण अचेत हो गया। परिवार के लोगों ने उसे चिकित्सक को दिखाया तो उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत से परिवार के लोग बेहद सदमे में हैं। गांव पिसावा निवासी गिर्राज राज मिस्त्री का काम करता है। गांव में उसके पास खेत भी है। खेत में उसने गेहूं की फसल उगा रखी है। गेहूं की फसल को कीड़ों से बचाने के लिए उसने अपने बेटों से खेत में कीटनाशक का छिड़काव करने के लिए कहा था। बेटों ने खेत में कीटनाशक छिड़कने में जब कुछ आना कानी की तो कल वह सायं को खेत में दवा का छिड़काव करने के लिए चला गया। बताया गया कि खेत से आने के बाद अचानक उसे चक्कर आए और वह गिर पड़ा। उसकी हालत देख परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया। तुरंत गिर्राज को चिकित्सक के पास ले जाया गया। उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौत का सही कराण जानने के लिए शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घर पहुंचने के बाद ग्रामीण अचेत होकर गिरा था

परिवार के लोगों में हड़कंप मचा

वांछित चल रही एक महिला सहित तीन लोग गिरफ्तार

यूनिक सम, राया (मथुरा)। पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित दो अभियुक्तों व एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों को गुरुवार सुबह गांव नया नगला स्थित उनके घर से पकड़ा है। पुलिस के अनुसार 29 दिसंबर 2025 को वादी ने अपनी पुत्री की ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए थाना राया में मुकदमा दर्ज कराया था। इस संबंध में दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला थाना राया में पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने सीडीआर, लोकेशन और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश की गुरुवार सुबह पुलिस टीम ने दबिश देकर नया नगला निवासी संदीप, राजेंद्र तथा एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया पुलिस ने तीनो को कोर्ट के माध्यम से जेल भेज दिया।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री भी पहुंची डीएम कार्यालय, दिया ज्ञापन

डीएम ऑफिस पर ज्ञापन देने आई आंगनबाड़ी श्रमिक संघ की सदस्य।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। संघ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों से संबद्ध आंगनबाड़ी फेडरेशन के आह्वान पर श्रमिक विरोधी, कॉरपोरेट हितैषी श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्री जिला मुख्यालय पहुंची। ज्ञापन में सभी आंगनबाड़ी को बीस हजार देने, 10 हजार रुपये की न्यूनतम पेंशन लागू करने और सभी को सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने की मांग शामिल है। साथ ही भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिश लागू करने, आंगनबाड़ी, आशा और स्कूल पोषण श्रमिकों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिलाने, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार ग्रेच्युटी प्रदान करने की मांग उठाई। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का कहना है कि पोषण ट्रैकर सर्वर के डाउन होने या आधार सर्वर के ठीक से काम न करने के कारण काम पूरा नहीं हो पाता। ज्ञापन देने वालों में सरला, अनवर, श्वेता सैनी, मीनू कनानिया, जावा शमी, शहर अध्यक्ष बविता, गायत्री एवं मंजुला आदि शामिल थी।

छाता चीनी मिल चालू कराने की मांग को लेकर किसानों का प्रदर्शन

छाता शुगर मिल के गेट पर धरना देकर प्रदर्शन करते किसान।

चौमुहां से ट्रैक्टर रैली निकाल किसान पहुंचे चीनी मिल छाता गेट

मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

यूनिक समय, चौमुहां/छाता (मथुरा)। अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले बड़ी भारी संख्या में क्षेत्रीय किसान चौमुहां से छाता चीनी मिल तक ट्रैक्टर रैली लेकर पहुंचे। किसानों ने छाता चीनी मिल गेट पर अपनी मांगों मंगवाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम तहसीलदार छाता सचिन पवार को ज्ञापन सौंपा ।किसानों ने कुछ समय के लिए यातायात को रोक अपना विरोध जताया। किसानों के बीच तहसीलदार छाता पहुंचे। किसानों ने ज्ञापन सौंपा और ज्ञापन को मुख्यमंत्री तक भेजने की मांग की। ज्ञापन में चीनी मिल चलवाने, बेरोजगारी दूर करने, कर्ज माफी करने, किसानों को एसपी गारंटी, पेंशन, बिजली बिल, खाद बीज उपलब्ध कराने की मांग की। किसानों ने मोदी सरकार को कोसते हुए भी नारेबाजी की। छीतर सिंह ने कहा कि देश को आजादी दिलाने में किसान मरा। आज किसान आत्महत्या कर रहा है। गोरों से भी हम लड़े और कालों से भी हम लड़ेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन धीर पाल सिंह ने कहा कि यह जो खंडहर पीछे दिखाई दे रहा है। सब भाजपा सरकार की करतूत है। कल ही उत्तर प्रदेश सरकार ने बजट जारी किया है उस बजट में एक पैसा भी सरकार ने चीनी मिल को चलवाने के लिए नहीं दिया है। उन्होंने गन्ना मंत्री से सवाल किया, कि जो झूठे वादे करके जनता से वोट लिए हैं, उसका तुमको जवाब देना पड़ेगा। अगर नहीं जवाब देंगे तो इससे भी बड़ा आंदोलन जल्द होगा। इस मौके पर छीतर सिंह एडवोकेट, गजेंद्र सिंह, जयवीर सिंह, लियाकत, कल्ली पहलवान, हरवीर, कल्लन, नत्थीलाल, लीलाधर, सुनील, चेतराम, प्रेमपाल, राधा कृष्ण, गौरव सिंह, कपिल, अंजली आर्य, सुमन, बेबी तथा पूनम आदि मौजूद थे।

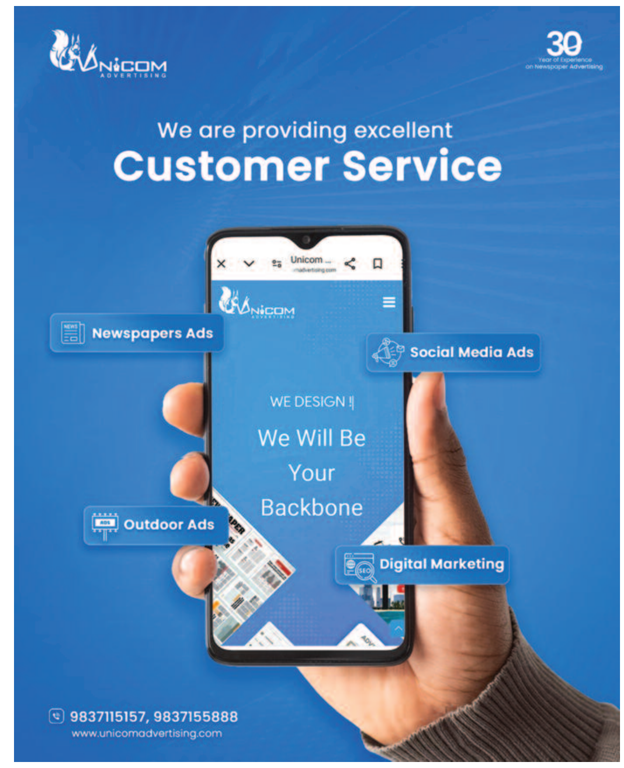

होली पर किया हुड़दंग तो होगी कार्यवाही

पीस कमेटी के साथ वार्ता करते पुलिस अधिकारी।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। महाशिवरात्रि और होली को शांतिपूर्ण सकुशल सम्पन्न कराने के लिए थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक हुई। बैठक में उप जिलाधिकारी मांट रितु सिरोही ने कहा कि महाशिवरात्रि पर गंगाघाट से गंगाजल लेकर आ रहे कावरियायों को मुख्य मार्ग पर आने जाने में परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए उन्होंने क्षेत्रीय लोगो से दुकानों के आगे व सड़को पर अतिक्रमण न करने की अपील की है। क्षेत्राधिकारी महावन श्वेता वर्मा ने बताया कि कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए मार्ग में पुलिस बल तैनात रहेगा। सभी लोग मिलजुल कर सौहार्द के साथ होली का पर्व मनाये। होली पर विना अनुमति के डीजे नही बजने दिया जायेगा।

होली पर हुड़दंग करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। बैठक में थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह, क्राइम प्रभारी अरविंद कुमार, कस्बा पुलिस चौकी प्रभारी उज्ज्वल शर्मा सहित ग्राम प्रधान नगर पंचायत सदस्य व सम्भ्रांत लोग मौजूद थे।

भारत अमेरिका समझौते को रद्द करने की राष्ट्रपति से की मांग

एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ता।

भाकियू टिकैत ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अमेरिका भारत व्यापार समझौते को रद्द करने आदि की मांग की गई। जिला अध्यक्ष कुमारी मीरा सिंह के नेतृत्व में किसान नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे। कार्यालय पर मौजूद एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। कहा गया कि सस्ती विदेशी उपज से भारतीय किसान तबाह होंगे। अमेरिका की खेती भारी सब्सिडी और कॉर्पोरेट फार्म मॉडल पर आधारित है। अमेरिकी फसल पर आयात शुल्क कम करने से किसानों को भारी परेशानी होगी। भारतीय किसान जो पहले ही एमएसपी की लड़ाई लड़ रहा है, वह इस प्रतिस्पर्धा में कैसे टिकेगा? यह समझौता केवल व्यापार का मामला नहीं है बल्कि यह किसान की आय, ग्रामीण रोजगार, खाद्य सुरक्षा, राष्ट्रीय आर्थिक स्वायत्तता का प्रश्न है। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख महासचिव धीरी सिंह, मलखान सिंह, योगेंद्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष पवन, अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ रघुराज सिंह, महानगर अध्यक्ष, सलीम एवं तहसील महावन अध्यक्ष नीरज कुमार आदि शामिल हैं।

रामपुर में वकील की हत्या पर मथुरा के वकीलों में आक्रोश

रामपुर में वकील की गोली मारकर की गई हत्या के विरोध में डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करते अधिवक्ता।

वकीलों की सुरक्षा को प्रोटेक्शन एक्ट लागू कराने की मांग

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रामपुर में अधिवक्ता की गोली मारकर की गई हत्या से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देकर अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट को लागू करने और अधिवक्ताओं की सुरक्षा की मांग की। रामपुर बार एसोसिएशन के सदस्य फारूख अहमद खान की गोली मारकर कल हुई हत्या के विरोध में मथुरा के अधिवक्ताओं में आक्रोश है। घटना के विरोध में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह एडवोकेट के नेतृत्व मे अधिवक्ताओं ने आज सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर वकील की हत्या पर गहरा आक्रोश जाहिर करते हुए घटना की घोर निंदा की। वकीलों ने वकील प्रोटेक्शन एक्ट को लागू कराने में सहयोग कराने का अनुरोध किया। साथ ही मथुरा के वकीलों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम करने की मांग उठाई। ज्ञापन देने वालों में बार एसोसिएशन के सचिव मनोज कुमार शर्मा, अधिवक्ता महेश तोमर, अभिषेक, राजेश कुमार, यशवंत सिंह, यशस्वी गोस्वामी एवं श्याम सुंदर आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

सुमित इसरानी का सीआईएसएफ में चयन, सिंधी समाज ने किया सम्मानित

सुमित इसरानी को सम्मानित करते सिंधी समाज के लोग।

यूनिक समय, मथुरा। कदम्ब विहार निवासी किशोर इसरानी के पुत्र सुमित इसरानी का चयन कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में हुआ है। साधारण परिवार से आने वाले सुमित के पिता कपड़े की दुकान पर नौकरी करते हैं। बेटे की इस उपलब्धि से परिवार और सिंधी समाज में खुशी की लहर है। प्रशिक्षण के लिए राजस्थान रवाना होने से पूर्व मथुरा रेलवे जंक्शन पर मिशन स्माइल सिंधी वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्षा गीता नाथानी, महासचिव अनिता चावला एडवोकेट तथा सिंधी जनरल पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामचंद्र खत्री ने तिलक, फूलमालाओं और प्रशस्ति पत्र देकर सुमित को सम्मानित किया। उनके माता–पिता का भी अभिनंदन किया गया। रामचंद्र खत्री ने इसे समाज के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। गीता नाथानी ने कहा कि सुमित की सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी। सुमित ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, शिक्षकों और निरंकारी सत्गुरु को दिया।

सरकारी बैंकों में कामकाज ठप, प्रदर्शन

होलीगेट स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा पर प्रदर्शन करते बैंककर्मी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संगठन के आह्वान पर एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल की गई। इस हड़ताल का नेतृत्व पंजाब नेशनल बैंक के बहुमत प्राप्त संगठन के प्रदेश सहायक सचिव नंदकिशोर शर्मा की अगुवाई में होलीगेट स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा पर बैंककर्मियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में पंजाब नेशनल बैंक प्रोग्रेसिव एम्प्लॉयीज एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष नारायण चंद दास, उपाध्यक्ष पवन सारस्वत, माधव चंद दास, वीरेंद्र कुमार शर्मा, संजय कुमार, धर्मवीर सिंह, नेम सिंह, गौतम जैन, रामवीर सिंह, देवेंद्र कुमार, टिकेंद्र, दिलीप दिलेर, लाल बहादुर यादव, मोहर सिंह, वेद प्रकाश, यतेंद्र गौतम, गोविंद प्रसाद एवं महेंद्र चौधरी आदि ने अपना विरोध दर्ज कराया।

जागरूकता की कमी से सरकारी खजाने को भर रहे हैं आम लोग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, नई दिल्ली। अब हर मामले में जागरुक बनना पड़ेगा। यदि जागरुकता की कमी हो गई तो आपकी जेब से बूंद–बूंद कर कितने करोड़ रुपये सरकार के खजाने में पहुंच जाता है। शायद कोई कल्पना नहीं कर सकता है। रोजाना लोग किसी न किसी रूप में जुर्माना की राशि सरकार के खजाने में देते हैं। यह सब होता है लापरवाही से। यदि

थोड़े से सजग हो जाएं तो आपकी जेब से एक भी पैसा जुर्माना बतौर सरकारी नहीं देना पड़ेगा। एक बानगी पैन कार्ड को लेकर सामने आई है। आधार और पैन लिंक कराने में देरी पर लगने वाली लेट

लापरवाही से बढ़ रहा है जुर्माने का बोझ

देरी की कीमत पड़ रही है भारी

फीस से सरकार को मिली रकम पर सदन में जानकारी दी गई। वित्त मंत्रालय के मुताबिक 2022–23 में इससे 570.49 करोड़ रुपये की कमाई हुई। 2024–25 में सरकार को 527.32 करोड़ रुपये मिले। यह तो दो वर्ष के आंकड़े भर हैं। यदि हर वर्ष जुर्माना बतौर राशि के आंकड़े आएंगे तो पैरों तले जमीन खिसक जाएगी। यह आंकड़ा तो पैन कार्ड की जुर्माना राशि को लेकर है। यदि अन्य विभागों में देरी से कराए काम के बदले जुर्माना राशि का आंकड़ा सामने आएगा तो सोचिए कि आम लोगों की जेब से कितने करोड़ रुपये सरकारी खजाने में पहुंचता होगा।

उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड रहा है कि मेरी पूजनीय माताजी पुष्पादेवी अग्रवाल का गोलोकवास दिनांक 12/02/2026 को हो गया है। जिनकी उठावनी आज दिनांक 13/02/2026 दिन शुक्रवार को महिला एवं पुरुषों की सायं 3 से 4 बजे तक स्थानः जानकी वल्लभ गैस्ट हाऊस, केशीघाट, वृन्दावन पर होगी।

शोकाकुलः- दिनेश-नीता अग्रवाल, ललतेश-कविता अग्रवाल (पुत्र-पुत्रवधू) भगवान दास-रामवती अग्रवाल (देवर-देवरानी) चंचल-प्रवीन गोयल, हेमलता-आलोक मित्तल, नीलम-पुनीत गर्ग (पुत्री-दामाद) गिरधारी-भावना अग्रवाल, शिवम-शिवानी अग्रवाल (भतीजे-भतीजेवधू) प्रथम, आयुष, देव, गर्व (पौत्र) समस्त सिघंल परिवार

फर्मः- भगवान दास एंड संस, सिंघल जनरल स्टोर, गोपीनाथ बाजार वृन्दावन (9761472538)

मायका पक्षः फूलचन्द्र बंसल, मुकेश बंसल, दिनेश बंसल (भतीजे)

श्री श्याम सांवरिया सेवादार परिवार मनाएगा फाल्गुन महोत्सव 17 से

कार्ड का विमोचन करते हुए श्याम सांवरिया सेवादार परिवार ट्रस्ट के पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्री श्याम सांवरिया सेवादार परिवार ट्रस्ट ने 17 एवं 18 फरवरी को फाल्गुन महोत्सव मनाने का निश्चय किया है। पत्रिका विमोचन करते हुए संस्था के संस्थापक अध्यक्ष नीरज मंगला ने बताया कि 17 और 18 फरवरी को दो दिवसीय फाल्गुन महोत्सव मनाया जाएगा। इसमें प्रथम दिवस सुबह 8 बजे 251 निशान लेकर निशान यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा होली गेट स्थित अप्सरा पैलेस से प्रारंभ होगी और होली गेट, स्वामी घाट, चौक बाजार, लाल दरवाजा, कच्ची सड़क होते हुए केदार धाम पहुंचेगी। दोपहर 2 बजे से श्याम प्रसादी तथा रात्रि 8 बजे से श्याम नाम मेहंदी का कार्यक्रम होगा। 18 फरवरी को शाम 6 बजे से श्याम पूजन तथा श्याम भजन संध्या प्रारंभ होगी। इस श्याम भजन संध्या में आकर्षण का केंद्र बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार, इत्र वर्षा, पुष्प वर्षा, तथा छप्पन भोग रहेंगे वहीं संकीर्तन में मध्य प्रदेश के मंदसौर से भजन गायिका अधिष्ठा–अनुष्का बहने, आगरा से राजा सांवरिया, भरतपुर से मयंक बृजवासी, मथुरा से नीलम दीदी तथा दिल्ली से शिवम इंटरनेशनल म्यूजिकल ग्रुप अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जयंती प्रसाद अग्रवाल, अनिल अग्रवाल नौहझील वाले आदि करेंगे। इस मौके पर महेश अग्रवाल, निशांत यात्रा चरण सेवक, संदीप अग्रवाल मेहंदी चरण सेवक, अतुल अग्रवाल मुख्य चरण सेवक, महेश अग्रवाल सचिव, संजीव शर्मा, संजू गुप्ता, प्रशांत अग्रवाल कोषाध्यक्ष, रुद्राक्ष अग्रवाल उपाध्यक्ष, कृष्णा अग्रवाल, श्रृंगार मंत्री योगेश गोयल आदि उपस्थित थे।

निजीकरण और इलेक्ट्रिसिटी बिल के विरोध में विद्युतकर्मियों का प्रदर्शन

मथुरा में प्रदर्शन करते विद्युतकर्मी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। निजीकरण और इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल के विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर प्रदेशभर में बिजली कर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। मथुरा में भी बिजली कर्मचारी, जूनियर इंजीनियर और इंजीनियर कार्यालयों से बाहर निकलकर बड़ी संख्या में प्रदर्शन में शामिल हुए। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी कि यदि उत्तर प्रदेश में निजीकरण के लिए टेंडर जारी किया गया तो प्रदेशभर में सामूहिक जेल भरो आंदोलन शुरू किया जाएगा। वहीं संसद में इलेक्ट्रिसिटी संशोधन बिल पारित करने की कोशिश हुई तो देशभर के बिजली कर्मचारी बिना नोटिस कार्य बंद कर लाइटनिंग स्ट्राइक करेंगे। आंदोलन की प्रमुख मांगों में निजीकरण प्रक्रिया निरस्त करना, इलेक्ट्रिसिटी संशोधन बिल व प्रस्तावित नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी को वापस लेना, पुरानी पेंशन योजना बहाल करना, आउटसोर्सिंग पर रोक और नियमित भर्तियां शामिल हैं। संघर्ष समिति के नेताओ ने कहा कि बिजली क्षेत्र का निजीकरण आम उपभोक्ताओं, किसानों और छोटे उद्योगों के हितों के खिलाफ है। आंदोलन में संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने भी समर्थन दिया। मथुरा में हुए प्रदर्शन में इंजीनियर राहुल चौरसिया, अजीत सिंह, अशोक यादव एवं संदीप पटेल आदि उपस्थित थे।

सीएई मथुरा का जीत का क्रम जारी

बल्लेबाज निर्भीक कंकर, तालिम खान और गेंदबाज देव उपाध्याय।

यूनिक समय, मथुरा। क्रिकेट अकेडमी फॉर एक्सीलेंस (सीएई) के सीपी क्रिकेट स्टेडियम पर आयोजित महाराज सिंधिया अंडर–13 टूर्नामेंट के दूसरे मुकाबले में सीएई मथुरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तानसेन क्रिकेट अकेडमी, ग्वालियर को पराजित कर जीत का सिलसिला बरकरार रखा। सीएई के कप्तान अर्श भारद्वाज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। तानसेन ग्वालियर की टीम 39 ओवरों में 130 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से कप्तान निर्भीक भरत कंकर ने साहसिक पारी खेलते हुए नाबाद 70 रन बनाए। सीएई मथुरा की ओर से देव उपाध्याय और यश सारस्वत ने 2–2 विकेट हासिल किए। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए

तानसेन ग्वालियर की लगातार दूसरी हार

सीएई मथुरा ने 28 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 133 रन बनाकर मुकाबला आसानी से जीत लिया। टीम की ओर से तालिम खान ने 46 रन, मोहम्मद फरहान ने नाबाद 29 रन और राज धनगर ने नाबाद 22 रन बनाए। तानसेन ग्वालियर की तरफ से साहिल और अमय जादौन ने 1–1 विकेट लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तालिम खान और देव उपाध्याय को संयुक्त रूप से 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि निर्भीक भरत कंकर को उनकी शानदार पारी के लिए 'फाइटर ऑफ द मैच' का पुरस्कार प्रदान किया गया।

कर्मचारियों ने पीडब्ल्यूडी गेट पर दिया धरना

पीडब्ल्यूडी के गेस्टहाउस के गेट पर धरना प्रदर्शन करते कर्मचारी।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश राज्य के कर्मचारी, शिक्षक, सेवानिवृत्त कर्मचारी और संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारी आदि ने अपनी मांगों को लेकर आज पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के गेट पर धरना देकर प्रदर्शन किया। बाद में कर्मचारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया।

कर्मचारियों की मांगों में सभी कॉन्ट्रैक्ट वाले एम्प्लॉई को रेगुलर करने, कॉन्ट्रैक्ट/आउटसोर्स डेली वेज वाली नौकरी बंद करने, सभी खाली पदों पर रेगुलर नियुक्ति करने, पीएफआरडीए एक्ट रद्द करने, एनपीएस/अप्स खत्म करने, फंड मैनेजर को राज्य सरकारों को जमा की गई रकम वापस करने का निर्देश देने की मांग की। सभी चार लेबर कोड रद्द करने, पीएसयू का प्राइवेटाइजेशन/कॉर्पोरेटाइजेशन और सरकारी डिपार्टमेंट्स को छोटा करना बंद करने, इसके साथ ही आठ सूत्रीय मांग रखी गई। ज्ञापन देने वालो में प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष गोपाल प्रसाद, उदयवीर सिंह, कैलाश चंद, हरिओम भुल्ला, मूला, रोहतास, मनोज कुमार, सावित्री, लक्ष्मी देवी, माया देवी तथा अतरी देवी आदि मौजूद थे।

लड्डू और लट्ठामार होली की तैयारियों के लिए डीएम पहुंचे बरसाना

बरसाना की होली उत्सव नहीं, ब्रज की सांस्कृतिक धरोहर

लठामार होली को लेकर बरसाना में गलियों का निरीक्षण करते डीएम सीपी सिंह।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना (मथुरा)। बरसाना की 'लड्डूमार' और 'लठामार' होली की तैयारियों के लिए जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अधिकारियों की टीम के साथ बरसाना के मेला क्षेत्र, प्रमुख मार्गों और लाड़ली जी मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग और श्रद्धालुओं के आवागमन वाले रास्तों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश–दुनिया से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री सिंह ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), नगर पंचायत और विद्युत विभाग सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने मेला क्षेत्र की ओर आने वाली सभी जर्जर सड़कों को तत्काल दुरुस्त करने और बरसाना की गलियों व कुंडों के आसपास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। उन्होंने कनेक्शनों का कार्य समय से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए। श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल और अस्थाई चिकित्सा शिविरों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि बरसाना की होली केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि ब्रज की सांस्कृतिक धरोहर है। उन्होंने अधिकारियों से सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर समय सीमा के भीतर सभी विकास कार्य और सुरक्षा प्रबंध पूरे करने का आह्वान किया।

नाम परिवर्तन

मैं उत्कर्ष तिवारी पुत्र सर्वेश कुमार शर्मा निवासी 2096 डैम्पियर नगर मथुरा सूचित करता हूँ कि जन्मप्रमाणपत्र में मेरी पुत्री का नाम सावी तिवारी दर्ज है, जबकि पुत्री का वास्तविक सही नाम ध्युति तिवारी (Dhyuti Tiwari) है, जो सत्य है। भविष्य में उसे ध्युति तिवारी के नाम से जाना जाये।

भूल से भी एक साथ न खाएं ये फल, सेहत को होगा नुकसान

यूनिक समय, नई दिल्ली। केला एक सुपरफूड है और हर किसी को इसे खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन आपको इसे कभी भी अमरूद के साथ नहीं खाना चाहिए। दरअसल, ये दोनों मिलकर आपके पेट में कुछ ऐसी प्रतिक्रिया करते हैं, जिससे आपको मतली, सिरदर्द और सूजन की समस्या हो सकती है।

फलों का सेवन सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। हर किसी को दिन में कम से कम दो बार मौसमी फलों का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अमूमन लोग फलों को कई अलग–अलग तरीकों से खाना पसंद करते हैं। मसलन, कुछ लोगों को फलों की चाट खाना अच्छा लगता है और इसलिए वे एक साथ कई फलों को काटकर उसका सेवन करते हैं। हालांकि, इसमें कोई बुराई नहीं है। लेकिन क्या आपको पता है कि ऐसे कई फल हैं, जिन्हें अगर एक साथ लिया जाता है तो ये आपकी सेहत पर नेगेटिव असर डाल सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ फलों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें एक साथ खाना आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है–

अमरूद और केला : केला एक सुपरफूड है और हर किसी को इसे खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन आपको इसे कभी भी अमरूद के साथ नहीं खाना चाहिए। दरअसल, ये दोनों मिलकर आपके पेट में कुछ ऐसी प्रतिक्रिया करते हैं, जिससे आपको मतली, सिरदर्द और सूजन की समस्या हो सकती है। इसलिए, आप इन दोनों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं, लेकिन इन्हें अलग–अलग समय पर ही खाएं।

सेब और आड़ू: सेब के साथ आड़ू का सेवन करना अच्छा नहीं माना जाता है। इससे टॉक्सिसिटी का रिस्क काफी बढ़ जाता है। दरअसल, इन दोनों फलों में अलग–अलग तरह की शुगर और फाइबर पाया जाता है, जिसकी वजह से पेट में गैस बनने की शिकायत हो सकती है या फिर पेट में दर्द व तकलीफ हो सकती है। पेट में फरमेंटेशन की वजह से आपको भारीपन या ब्लोटिंग का अहसास हो सकता है।

पपीता और नींबू : कुछ लोगों की यह आदत होती है कि वे पपीता काटने के बाद उस पर नींबू का रस छिड़ककर खाते हैं। जबकि आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

पपीते के साथ नींबू का सेवन करना अच्छा नहीं माना जाता है। यह हीमोग्लोबिन के लेवल को प्रभावित कर सकता है और रक्त संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है। खासकर गर्भवती महिलाओं को तो यह गलती बिल्कुल नहीं करनी चाहिए।

40 की साल की उम्र में महिलाएं जरूर करें ये योगाभ्यास

अंजलि ठाकुर

यूनिक समय, मथुरा। उम्र बढ़ने के साथ ही महिलाओं को कमजोरी, थकान और हड्डियों में दर्द से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। इसके अलावा, 40 की उम्र के बाद त्वचा पर झुर्रियां और फाइन लाइन्स नजर आना भी एक सामान्य बात है। ऐसे में महिलाएं हेल्दी रहने के लिए योगाभ्यास कर सकती हैं।

उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई तरह के बदलाव होने लगते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि 30 की उम्र के बाद बोन डेंसिटी कम होने लगती है। ऐसे में खासकर, महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना चाहिए। 40 की उम्र में आते–आते जोड़ों में अकड़न, मांसपेशियों में कमजोरी और मानसिक थकान जैसी समस्याएं आम होती हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए योग एक बेहतरीन तरीका है। योगासन शरीर का लचीलापन बढ़ाने, मानसिक शांति पाने और हेल्दी रखने के लिए सहायक होते हैं। ऐसे में आइए जानते कि 40 साल की उम्र में महिलाओं को कौन–कौन से योगाभ्यास करने चाहिए। वहीं, योगाभ्यास स्ट्रेस को मैनेज करने में भी फायदेमंद है।

ताड़ासन: ताड़ासन पूरे शरीर को खींचने और मजबूत करने के लिए बेहतरीन है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर में लचीलापन बढ़ता है और शरीर के ऊपरी हिस्से को ताकत भी मिलती है। ताड़ासन रीढ़ की हड्डी को सीधा करता है और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है। इसे करने के लिए–

सीधे खड़े हो जाएं और पैरों को थोड़ा अलग रखें

अब दोनों हाथों को ऊपर की ओर खींचें और उंगलियों को एक–दूसरे से जोड़ते हुए शरीर को खींचे। सिर और गर्दन को सीधा रखें और ध्यान रखें कि आपकी पीठ सीधी रहे। 20–30 सेकंड तक इस स्थिति में बने रहें और फिर धीरे–धीरे सामान्य स्थिति में लौटें।

वृक्षासन : यह शारीरिक और मानसिक संतुलन में सुधार लाता है और एकाग्रता को बढ़ाता है। यह कमर, जांघ और कूल्हे की मांसपेशियों को मजबूत करता है। सीधे खड़े हो जाएं और एक पैर को घुटने से मोड़कर दूसरे पैर के जांघ पर रखें। दोनों हाथों को ऊपर की ओर मिलाकर प्रार्थना की मुद्रा में रखें। ध्यान केंद्रित करें और 20–30 सेकंड तक इस स्थिति में बने रहें।

भुजंगासन: भुजंगासन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। यह विशेष रूप से पीठ दर्द के लिए फायदेमंद है। यह पेट की मांसपेशियों को टोन करता है और शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ाता है। यह तनाव कम करने में फायदेमंद है।

पेट के बल लेट जाएं और पैरों को आपस में सटाकर रखें

दोनों हाथों को कंधों के नीचे रखें और धीरे–धीरे धड़ को ऊपर की ओर उठाएं। सिर को सीधा रखते हुए, छाती और पेट को ऊपर की ओर उठाने की कोशिश करें। 15–20 सेकंड तक इस स्थिति में बने रहें और फिर सामान्य स्थिति में लौटें।

ब्रेकफास्ट में बनाना चाहते हैं खिला-खिला पोहा

तो ट्राई करें ये रेसिपी, चखते ही खुल जाएंगे सारे टेस्ट बड्स

ममता सिंह

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत में कई लोग ब्रेकफास्ट में पोहा खाना पसंद करते हैं। अगर आपको भी पोहा खाना अच्छा लगता है, तो आपको कम से कम एक बार पोहे की इस रेसिपी को जरूर फॉलो करके देखना चाहिए।

ब्रेकफास्ट में पोहा बनाकर खाना एक हेल्दी ऑप्शन साबित हो सकता है। लेकिन अक्सर पोहा खिला–खिला नहीं बन पाता है। पोहा बनाने के लिए आपको 400 ग्राम पोहा, 2–3 मीडियम साइज्ड प्याज, एक–चौथाई कप कच्ची मूंगफली, एक स्पून जीरा, एक छोटी स्पून राई, नमक, आधी स्पून चीनी, 4 बड़ी स्पून तेल, चुटकी भर हींग, 6 करी पत्ते, 6 बारीक कटी हुई हरी मिर्च, आधी स्पून हल्दी पाउडर, एक स्पून नींबू का रस और 2 बड़ी स्पून बारीक कटे हुए हरे धनिए की जरूरत पड़ेगी।

पोहा बनाने के लिए पोहे को एक छलनी में निकालकर अच्छी तरह से धो लीजिए। पोहे में नमी होनी चाहिए लेकिन खिला–खिला पोहा बनाने के लिए पोहे को मसलने से बचें।

अब एक पैन में तेल डालकर गर्म कर लीजिए। इसके बाद गर्म तेल में मूंगफली डालकर अच्छी तरह से भून लीजिए।

इसके बाद बचे हुए तेल में जीरा और राई डालकर इन्हें भी भून लीजिए। जब जीरा–राई भुन जाए, तब हींग, करी पत्ता और बारीक कटे हुए प्याज को डालकर भून लें। आखिर में पैन में हल्दी और हरी मिर्च को डालकर भी भून लीजिए। अब आपको पैन में थोड़े–थोड़े पोहे को बिखेरते हुए डालना है, जिससे पोहा खिला–खिला बन पाए।

सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद आपको पोहे में नमक और चीनी भी एड करनी है। पोहे के टेस्ट को बढ़ाने के लिए आपको इसमें नींबू का रस, मूंगफली और बारीक कटा हुआ हरा धनिया भी मिक्स कर लेना चाहिए। पोहे को अच्छी तरह से चला लीजिए और फिर लगभग दो मिनट तक इसे कुक कर गैस बंद कर दीजिए।

आप पोहे को चाय के साथ सर्व कर सकते हैं। यकीन मानिए ये ब्रेकफास्ट रेसिपी आपकी वन ऑफ द फेवरेट रेसिपीज की लिस्ट में शामिल हो सकती है।

किन्नौर की वो जगह जिसे माना जाता है हिमाचल का सबसे खूबसूरत गांव

नितेश खण्डेलवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप भीड़भाड़ वाली जगहों को घूमते–घूमते बोर हो गए हैं और कोई ऑफबीट स्पॉट देख रहे हैं, जहां आप रिलैक्सिंग वेकेशन बिता सकें तो किन्नौर जिले में हिमाचल प्रदेश का सबसे खूबसूरत गांव मौजूद है, जहां न सिर्फ आप प्रकृति के खूबसूरत नजारे देख सकते हैं, बल्कि यहां एडवेंचर का भी पूरा आनंद उठा सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश में खूबसूरत हिल स्टेशंस की कमी नहीं है। चाहे मनाली की बात हो या फिर शिमला या स्पीती वैली की, यहां आपको मनमोहक नजारे देखने को मिलेंगे। हालांकि, अगर आप भीड़भाड़ वाली जगहों से बोर हो गए हैं और अपने बिजी शेड्यूल से ब्रेक लेकर किसी शांति और सुकून भरी जगह पर कुछ फुर्सत के पल बिताना चाहते हैं तो किन्नौर जिले में एक ऐसा गांव मौजूद है, जोकि आपके लिए परफेक्ट स्पॉट है। यहां के मंत्रमुग्ध कर देने वाले नजारे आपको दूसरी बार भी यहीं की ट्रिप प्लान करने पर मजबूर कर देंगे।

इस जगह का नाम कल्पा है, जोकि अपनी प्राकृतिक खूबसूरती, शांत वातावरण और अद्भुत नजारों के लिए मशहूर है। कल्पा एक ऐसा पहाड़ी गांव है, जोकि सोलो ट्रैवलर्स के अलावा ग्रुप में ट्रिप प्लान करने वाले लोगों के लिए भी बेस्ट स्पॉट है। कल्पा से किन्नर कैलाश पर्वत की शानदार झलक मिलती है, जिसे देखकर कोई भी खुश हो जाएगा। इसके अलावा अगर आपको ट्रैकिंग पसंद है तब तो आप जल्दी से कल्पा घूम आईए। यही नहीं, कल्पा अपने सेब के बागानों के लिए भी जाना जाता है, जहां जाकर आप ताजे और रसीले सेबों का आनंद ले सकते हैं।

किन्नर कैलाश: हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में स्थित एक पवित्र पर्वत है, जिसे हिंदू धर्म में भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है। ये पर्वत 6,050 मीटर (19,849 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। यहां आपको ट्रैकिंग करके जाना होता है। मानसरोवर कैलाश, आदि कैलाश और श्रिखंड कैलाश के अलावा ये जगह कैलाश पर्वत के चार प्रमुख कैलाशों में से एक है।

रक्छम और छितकुल गांव: ये हिमाचल के सबसे सुंदर गांवों में से एक हैं, जो कल्पा से थोड़ी दूरी पर स्थित हैं। ये दोनों ही गांव हिमालय की गोद में बसे हुए हैं, जहां की नेचुरल ब्यूटी और शांति देखने लायक है। इन दोनों गांवों के नजारे मंत्रमुग्ध कर देने वाले हैं। ये गांव बस्पा नदी घाटी में स्थित हैं और हिमाचल के सबसे सुंदर और कम भीड़भाड़ वाले टूरिस्ट्स प्लेसेस में इनकी गिनती होती है।

कल्पा मठ और नारायण नागिनी मंदिर: कल्पा मठ एक प्राचीन बौद्ध मठ है, जिसे लोकल भाषा में "गोंपा" कहा जाता है। ये बौद्ध धर्म और हिंदू धर्म के अद्भुत मिश्रण का प्रतीक है, जहां दोनों संस्कृतियों की झलक मिलती है। वहीं, नारायण नागिनी मंदिर हिंदू धर्म का एक पवित्र स्थल है, जिसे भगवान विष्णु (नारायण) और देवी नागिनी को समर्पित किया गया है। यह मंदिर किन्नर शैली में बना है, जिसमें लकड़ी की पारंपरिक वास्तुकला दिखाई देती है।

बस्पा नदी घाटी: ये जगह अपनी हरियाली, बर्फ से ढकी चोटियों और शांत वातावरण के लिए जानी जाती है। यही नहीं, बस्पा नदी घाटी ट्रैकिंग, कैंपिंग, नेचर लवर्स और फोटोग्राफी के शौकीन लोगों के लिए स्वर्ग है। वहीं, बस्पा नदी की बात करें तो ये हिमालय की सबसे साफ और सुंदर नदियों में से एक है।नदी के किनारे बैठकर आप इसकी शीतलता और शांति का अनुभव कर सकते हैं।

ऐसे पहुंचे कल्पा: अगर आप कल्पा बाय रोड जाना चाहते हैं तो शिमला का जुब्बरहट्टी एयरपोर्ट सबसे नजदीकी है। ये कल्पा से लगभग 260 किलोमीटर दूर है। वहीं, कल्पा से सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन शिमला रेलवे स्टेशन (260 किमी) है।

यही नहीं, आप शिमला से बाय रोड भी कल्पा जा सकते हैं। शिमला और रामपुर से कल्पा जाने के लिए आपको कई बसें और टैक्सियां मिल जाएंगी।

सुविचार

सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नहीं बल्कि मजबूत बनाने आती हैं...

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	07:27-09:49 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	अनुराधा	07:55-10:52 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय		7:03 AM	चन्द्रोदय	02:11 AM
सूर्यास्त		6:08 PM	चंद्रास्त	12:28 PM
सूर्य राशि		मकर राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रह्म मुहूर्त	05:27-06:15
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	12:36PM-01:59PM		वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

कृष्ण के जीवन से सीखें 10 मैनेजमेंट मंत्र: जीवन बने आदर्श और आसान

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन केवल आध्यात्मिक प्रेरणा ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट जीवन प्रबंधन का भी अद्भुत उदाहरण है। बाल्यकाल की नटखट लीलाओं से लेकर महाभारत के युद्ध में अर्जुन को दिए गए गीता उपदेश तक, उन्होंने हर भूमिका में आदर्श स्थापित किया। वे एक सच्चे मित्र, कुशल रणनीतिकार, दूरदर्शी नेता, प्रेमी, गुरु और प्रजा पालक रहे। आज के युवाओं के लिए उनके जीवन से निकले ये 10 मैनेजमेंट मंत्र सफलता की दिशा दिखाते हैं।

कर्म पर ध्यान केंद्रित करें– श्रीकृष्ण ने गीता में स्पष्ट कहा कि मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने पर है, फल पर नहीं। इसलिए निरंतर अच्छे कर्म करें और व्यर्थ चिंताओं से दूर रहें।

सच्चे मित्र बनाएं– कृष्ण ने कठिन समय में पांडवों का साथ निभाकर सच्ची मित्रता का उदाहरण दिया। सच्चा मित्र वही है जो हर परिस्थिति में साथ खड़ा रहे।

गलतियों से सीखें– अर्जुन ने अपने अनुभवों और श्रीकृष्ण के मार्गदर्शन से बहुत कुछ

सीखा। जीवन में असफलताएं हमें मजबूत बनाती हैं, यदि हम उनसे सीख लें।

रणनीति बनाकर कार्य करें– महाभारत का युद्ध केवल शक्ति से नहीं, बल्कि श्रेष्ठ रणनीति से जीता गया। किसी भी लक्ष्य को पाने से पहले स्पष्ट योजना बनाना आवश्यक है।

परिस्थिति के अनुसार स्वयं को ढालें– कृष्ण ने समय और आवश्यकता के अनुसार अपनी भूमिकाएं बदलीं–कभी सारथी बने, तो कभी शांति दूत। लचीलापन सफलता की कुंजी है।

दूरदर्शी बनें– उन्होंने भविष्य की परिस्थितियों को भांपकर निर्णय लिए। जीवन और करियर में दूरदर्शिता व्यक्ति को संकट से बचाती है।

असफलता का विश्लेषण करें– हार से निराश होने के बजाय उसकी वजह समझें। आत्ममंथन ही आगे बढ़ने का मार्ग खोलता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

व्यर्थ चिंता से बचें– कृष्ण ने वर्तमान में जीने और अनुशासन का पालन करने का संदेश दिया। अनावश्यक चिंता ऊर्जा को नष्ट करती है।

मित्रता में भेदभाव न करें– सुदामा के प्रति उनका स्नेह सिखाता है कि सच्ची मित्रता अमीरी–गरीबी नहीं देखती, बल्कि भावनाओं पर आधारित होती है।

कूटनीति का महत्व समझें– जब सीधा मार्ग संभव न हो, तो बुद्धिमानी और कूटनीति से कार्य करें। कृष्ण एक महान कूटनीतिज्ञ भी थे। इन दस मंत्रों को अपनाकर युवा न केवल सफल बन सकते हैं, बल्कि जीवन को संतुलित, आदर्श और सार्थक भी बना सकते हैं।

नए साल का व्रत–त्योहार कैलेंडर

- 13 फरवरी, दिन शुक्रवार : विजया एकादशी
- 14 फरवरी, दिन शनिवार : शनि प्रदोष व्रत
- 15 फरवरी, दिन रविवार : महाशिवरात्रि या फाल्गुन मासिक शिवरात्रि
- 17 फरवरी, दिन मंगलवार : दर्श अमावस्या, फाल्गुन अमावस्या, पहली भौमवती अमावस्या

कल का राशिफल

मेष राशि: दोपहर बाद कार्यों की गति में सुधार होगा। मार्केटिंग से जुड़े लोग लाभान्वित हो सकते हैं। महत्वपूर्ण विषयों पर विचार को फिलहाल टालना ठीक रहेगा।

वृषभ राशि: आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कर ले। भावनात्मक संबंधों पर निर्भरता को कम करना होगा। साझेदारी व्यवसाय में वार्तालाप सकारात्मक रहेगी।

मिथुन राशि: थोड़े परिश्रम के बाद व्यवस्था पर नियंत्रण बनाने में सफलता मिल सकती है। मन में निराशा को स्थान न दें। उच्च अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए कार्य कुशलता बढ़ानी होगी।

कर्क राशि: शैक्षणिक कार्यों मैं रुचि बढ़ेगी। नई प्रशासनिक जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आलोचकों को सहज ढंग से लेना होगा नकारात्मक लोगों से दूरी बनाएं। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। नई साझेदारी विकसित होने के सयोग बन रहे हैं।

सिंह राशि: मित्रों में लोकप्रियता बढ़ेगी। कार्यों की सफलता से उत्साहित दिखाई देंगे। आपकी सकारात्मक सोच से दूसरे प्रेरित होंगे। हाथ के कार्य को ज्यादा शीघ्र पूर्ण करने का प्रयास करें। व्यर्थ के खर्चों पर रोक लगानी होगी।

कन्या राशि: समय पक्ष का बना है। भावनात्मक संबंधों में अपनी बात कहने का सही समय है। आर्थिक मोर्चों पर साहसिक निर्णय से लाभ की मात्रा बढ़ सकती है। परिवार में सभी को एकजुट रखने की जिम्मेदारी निभानी होगी।

तुला राशि: कला और साहित्य के क्षेत्र में कार्य करने लोगों की रचनाओं और प्रयासों को सराहन मिल सकती है। आर्थिक लाभ भी होंगे। नये अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। सरकारी जुड़ाव से दूरगामी परिणाम मिलेंगे।

वृश्चिक राशि: अपने लोगों पर संदेह करना परेशानी भरा हो सकता है। संतान की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए बचत खर्च हो सकती है। स्थाई संपत्ति निर्माण के विषय में ठोस निर्णय लेने का सही समय है।

मकर राशि: कार्यों में निरंतरता बनाए रखनी होगी। शारीरिक मेहनत से जुड़े लोग अधिक लाभान्वित होंगे। नई तकनीकी सीखना फायदेमंद रहेगा। प्रेम संबंधों में तनाव कम होगा। स्वास्थ्य का ख्याल रखें।

धनु राशि: सावधानी से आगे बढ़ते हुए संतुलित और योजना बद्ध कार्य करने को प्राथमिकता देनी होगी। विरोधी छवि धूमिल करने का प्रयास करेंगे। विवाद की अपेक्षा अपने कार्यों की श्रेष्ठता से उन्हें माकूल जवाब दें।

कुंभ राशि: पिछले किए कार्यों के लाभ हाथ में आने से उत्साहित रहेंगे। नए कार्यों में जन सहयोग बढ़ेगा। प्रतियोगिता में सफलता की अच्छी संभावना बन रही है। जॉब बदलने या इंटरव्यू के लिए किए गए प्रयास सफल रहेंगे।

मीन राशि: मानसिक तनाव कम होगा। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात कार्यों की दिशा बदल सकती है। प्रेम संबंधों में एक दूसरे की करियर में मदद मिलेगी। आर्थिक सहयोग भी बढ़ेगा यात्रा प्रवास टालें।

विजया एकादशी 2026: तिथि, महत्व, पूजा विधि और व्रत के नियम

यूनिक समय, मथुरा। वर्ष 2026 में विजया एकादशी का पावन व्रत 13 फरवरी, शुक्रवार को रखा जाएगा। यह एकादशी फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष में आती है और भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत जीवन में विजय, सफलता और बाधाओं से मुक्ति दिलाने वाला माना गया है। जो भक्त श्रद्धा और नियमपूर्वक इस व्रत को करते हैं, उन्हें विशेष आध्यात्मिक फल प्राप्त होता है।

विजया एकादशी की तिथि और मुहूर्त– एकादशी तिथि प्रारंभः 12 फरवरी को दोपहर 12:22 बजे से, एकादशी तिथि समाप्तः 13 फरवरी को दोपहर 2:25 बजे तक,व्रत रखने की तिथि (उदयातिथि): 13 फरवरी, शुक्रवार। पारण (व्रत तोड़ने) का समयः 14 फरवरी को सुबह 7: बजे से 9:14 बजे

के बीच। उदयातिथि के अनुसार 13 फरवरी को व्रत रखा जाएगा और अगले दिन प्रातः निर्धारित समय में पारण किया जाएगा।

विजया एकादशी का धार्मिक महत्व– 'विजया' शब्द का अर्थ है विजय प्राप्त करना। मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से व्यक्ति को शत्रुओं पर विजय, कार्यों में सफलता और जीवन की बाधाओं से मुक्ति मिलती है।

पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान श्रीराम लंका पर चढ़ाई करने जा रहे थे और समुद्र उनके मार्ग में अवरोध बन गया था, तब मुनि बकदाल्भ्य के सुझाव पर उन्होंने विजया एकादशी का व्रत किया। इस व्रत के प्रभाव से समुद्र पार करने का मार्ग प्रशस्त हुआ और अंततः रावण पर विजय प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, यह व्रत पापों के नाश और मोक्ष की प्राप्ति का भी मार्ग माना गया है। श्रद्धापूर्वक उपवास करने से व्यक्ति के पूर्व जन्मों के दोष कम होते हैं और उसे आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

पूजा विधि और व्रत नियम– व्रत के दिन प्रातःकाल स्नान कर स्वच्छ, विशेष रूप से पीले वस्त्र धारण करें। भगवान विष्णु के समक्ष व्रत का संकल्प लें। पूजा स्थल पर एक कलश स्थापित कर उस पर भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र रखें।

धूप, दीप, पीले पुष्प और तुलसी दल अर्पित करें। इस दिन विजया एकादशी व्रत कथा का पाठ या श्रवण करना शुभ माना जाता है। साथ ही 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करें। विजया एकादशी का व्रत श्रद्धा, संयम और नियमपूर्वक करने से जीवन में सफलता, शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

कुंभ राशि में सूर्य–राहु की युति: 13 फरवरी से बनेगा 'ग्रहण योग'

यूनिक समय, मथुरा। 13 फरवरी को ज्योतिषीय गणना के अनुसार कुंभ राशि में सूर्य और राहु की युति होने जा रही है। जब राहु का संबंध सूर्य या चंद्रमा से बनता है, तो ज्योतिष शास्त्र में इसे 'ग्रहण योग' या 'ग्रहण दोष' कहा जाता है। यह योग मानसिक, सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन में भ्रम, अस्थिरता और अचानक परिवर्तन की स्थिति पैदा कर सकता है।

सूर्य को आत्मा, आत्मविश्वास, नेतृत्व और प्रतिष्ठा का कारक ग्रह माना जाता है, जबकि राहु को मायाजाल, भ्रम, छल और अप्रत्याशित घटनाओं का प्रतीक माना जाता है। जब ये दोनों ग्रह एक ही राशि में आ जाते हैं, तो व्यक्ति के निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। खासकर कुंभ राशि, जो सामूहिकता, समाज और विचारधारा की राशि है, उसमें यह युति व्यापक प्रभाव डाल सकती है।

ग्रहण योग का ज्योतिषीय प्रभाव– सूर्य-राहु की युति अक्सर व्यक्ति को मानसिक रूप से असमंजस की स्थिति में डाल सकती है। आत्मविश्वास में कमी, प्रतिष्ठा से जुड़ी चुनौतियां, कार्यक्षेत्र में राजनीति या सामाजिक संबंधों में गलतफहमियां बढ़ सकती हैं। यह समय आवेग में निर्णय लेने के बजाय धैर्य और विवेक से काम लेने का है। हालांकि हर व्यक्ति की कुंडली अलग होती है और प्रभाव भी उसी के अनुसार बदलता है, फिर भी कुछ राशियों पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक देखने को मिल सकता है।

इन 4 राशियों को रहना होगा 'सावधान'– वृषभ राशि, इस राशि के जातकों के लिए यह योग कार्यक्षेत्र में चुनौतियां ला सकता है।

इन चार राशियों को बरतनी होगी विशेष सावधानी

ऑफिस राजनीति या सहकर्मियों के साथ मतभेद बढ़ सकते हैं। उच्च अधिकारियों से टकराव की स्थिति से बचें। इस समय धैर्य और शांत स्वभाव से काम लेना ही बेहतर रहेगा। जल्दबाजी में नौकरी बदलने या बड़ा निर्णय लेने से बचें। **सिंह राशि** - इस राशि का स्वामी स्वयं सूर्य है। ऐसे में सूर्य का राहु के साथ ग्रहण योग बनाना आपके लिए विशेष रूप से संवेदनशील हो सकता है। यह युति आपके सप्तम भाव (विवाह और साझेदारी) को प्रभावित कर सकती है। जीवनसाथी के साथ विवाद, अहंकार टकराव या व्यापारिक साझेदारी में गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। किसी भी समझौते या कानूनी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले सोच–समझकर निर्णय लें। **वृश्चिक राशि**– इस राशि के जातकों के लिए यह योग चौथे भाव को प्रभावित कर सकता है, जो घर, परिवार और माता से संबंधित होता है। पारिवारिक वातावरण में तनाव बढ़ सकता है। माता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। संपत्ति या वाहन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतें और किसी भी विवाद से दूरी बनाए रखें। **कुंभ राशि**- चूंकि यह युति आपकी ही राशि में बन रही है, इसलिए इसका प्रभाव सबसे अधिक कुंभ राशि पर पड़ सकता है। मानसिक भ्रम, आत्मविश्वास में कमी या स्वास्थ्य संबंधी छोटी-मोटी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। बड़े निवेश, करियर में अचानक बदलाव या जोखिम भरे फैसलों से फिलहाल बचना उचित रहेगा। योग, ध्यान और नियमित दिनचर्या अपनाना लाभकारी रहेगा।

ग्रहण योग के दौरान क्या रखें ध्यान? किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। सोशल मीडिया या सार्वजनिक मंचों पर अनावश्यक टिप्पणी करने से बचें। वित्तीय मामलों में सतर्क रहें। मानसिक शांति बनाए रखने के लिए ध्यान और प्राणायाम करें। ग्रहण योग के दुष्प्रभाव से बचने के उपाय, यदि आपकी राशि उपरोक्त सूची में है तो घबराने की आवश्यकता नहीं है। कुछ सरल उपायों से इस योग के नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सकता है।

आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ– प्रतिदिन सूर्य देव की उपासना करें और आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। इससे आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। **दान करें–** राहु के प्रभाव को शांत करने के लिए काले तिल, काला कपड़ा या सप्तधान्य का दान करना शुभ माना जाता है। **मंत्र जाप–** 'ॐ नमः शिवाय' या 'ॐ सूर्याय नमः' मंत्र का जाप मानसिक शांति प्रदान करता है और भ्रम की स्थिति को कम करता है। पक्षियों की सेवा, सात प्रकार के अनाज मिलाकर पक्षियों को खिलाना राहु के नकारात्मक प्रभाव को कम करने में सहायक माना गया है। सूर्य-राहु की युति से बनने वाला ग्रहण योग चुनौतियां जरूर ला सकता है, लेकिन यह आत्ममंथन और सुधार का अवसर भी देता है। सावधानी, धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ इस समय को संतुलित किया जा सकता है। उचित उपाय और संयमित व्यवहार से संभावित नकारात्मक प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सम्पादकीय

योजनाओं का पैसा खर्च न होने से विकास क्यों बेमानी है

देश की विकास यात्रा योजनाओं के सहारे चलती है। जब इन योजनाओं के लिए राज्य सरकारों को केंद्र से करोड़ों रुपये भेज दिए जाते हैं लेकिन वे खर्च नहीं होते, तो विकास की गति रुकना स्वाभाविक है। जैसा कि हाल में सामने आए बजट और सरकारी खर्च के आँकड़ों से पता चलता है कि भारत में बड़ी योजनाओं पर केवल लगभग 40 % ही नकद खर्च हुआ है, बाकी राशि उपयोग में नहीं लाई जा सकी। केंद्र सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए भेजे गए लगभग 43 हजार करोड़ रुपये का

पवन गौतम
संपादक

समय पर उपयोग न हो पाना सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि जवाबदेही, समन्वय और कार्य–प्रक्रिया की गंभीर कमी का संकेत है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और जल जीवन मिशन जैसे क्षेत्रों में इस धन का सीधा प्रभाव होना था – किंतु यह राशि टेंडर, अनुमोदन प्रक्रिया और विभागीय देरी के कारण बर्बाद होती जा रही है। परिणाम यह है कि गाँवों में अधूरे स्कूल भवन, जर्जर आंगनवाड़ी केंद्र और सूखे नल आम तस्वीर बन चुके हैं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि नौ महीने में बड़े सरकारी कार्यक्रमों पर केवल लगभग 41 % ही बजट का उपयोग हुआ है, और साल के अंत तक यह संभवतः 75 % से भी कम रह जाएगा। इससे जाहिर है कि योजनाओं के लागू होने की क्षमता और राज्यों की खर्च क्षमता पर गंभीर प्रश्न उठते हैं।

यह समस्या पुरानी है। पिछले वित्त वर्ष में भी कई प्रमुख योजनाओं के लिए आवंटित रुपये खर्च नहीं हो पाए, और वे वापस सरकार के खजाने में लौट गए। बड़ी सामाजिक योजनाओं का अधूरा रह जाना सामाजिक सुधार की दिशा में बड़ी बाधा है। हालत यह है कि फाइलें अनुमोदन के चक्कर में घुमती रहती हैं और जिम्मेदारी लेने से बचने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। इससे समय सीमा निकल जाती है और बजट 'लैप्स' हो जाता है – यानी सरकार को वह पैसा वापस करना पड़ता है जो योजनाओं के लिए पहले ही जारी किया जा चुका था। यह केवल धन की बर्बादी नहीं है, बल्कि विकास के अवसरों की हत्या भी है। अब समय आ गया है कि इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाए। जवाबदेही तय की जाएः बजट खर्च न कर पाने वाले विभागों के लिए स्पष्ट जवाबदेही और जिम्मेदार अधिकारी नियुक्त किए जाएँ। प्रदर्शन-आधारित मूल्यांकन लागू होः जहाँ समयबद्ध कार्य न होने पर दंड और बेहतर क्रियान्वयन पर प्रोत्साहन का प्रावधान हो। पारदर्शी निगरानी प्रणालीः डिजिटल तंत्र तैयार किया जाए ताकि हर एक रुपए की यात्रा जनता के सामने स्पष्ट हो। अगर इन सुधारों को लागू नहीं किया गया तो यह ढिलाई और गैर-जिम्मेदार व्यवहार विकास की रेल को और अधिक पीछे धकेल देगा। विकास की गाड़ी तभी तेज़ चलेगी जब योजनाओं का पैसा सही समय पर और सही दिशा में खर्च हो।

नजरिया

गरुड़ की उड़ान : बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की आर्थिक शक्ति का उदय

– राकेश हरि पाठक

भारतीय संस्कृति में गरुड़ केवल एक पौराणिक प्रतीक नहीं, बल्कि शक्ति, तीव्रता, दूरदर्शिता और संरक्षण का द्योतक है। भगवान विष्णु के वाहन के रूप में गरुड़ सृष्टि के संतुलन और व्यवस्था के रक्षक माने जाते हैं। यदि आज के वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत की स्थिति को किसी प्रतीक के माध्यम से समझना हो, तो 'गरुड़ पर सवार भारत' का रूपक अत्यंत सार्थक प्रतीत होता है। विश्व व्यवस्था के बदलते समीकरणों के बीच भारत न केवल स्वयं को सुदृढ़ कर रहा है, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। पिछले एक दशक में विश्व अर्थव्यवस्था ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं–कोविड महामारी, आपूर्ति श्रृंखला संकट, रूस–यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट, बढ़ते टैरिफ और महाशक्तियों के बीच व्यापारिक तनाव। अमेरिका की 'अमेरिका फर्स्ट' और 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' जैसी नीतियों ने वैश्विक व्यापार ढांचे को झकझोरा। चीन की आक्रामक निर्यात नीति और डंपिंग रणनीति ने कई देशों के घरेलू उद्योगों को प्रभावित किया। यूरोप ऊर्जा संकट और महंगाई से जूझता रहा।

ऐसे समय में भारत ने संतुलित और व्यावहारिक नीति अपनाई। 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत', उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं और बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश ने भारत को केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा दी। यही वह आधार है, जिसने भारत को वैश्विक आर्थिक वार्ताओं में एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्थापित किया। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापार समझौता केवल दो देशों के बीच आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी का भी संकेत है। अमेरिका विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। वहां अपेक्षाकृत कम आयात शुल्क और सहयोगात्मक नीति भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलती है।

वस्त्र, परिधान, रत्न एवं आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स, रक्षा उत्पादन, एयरोस्पेस पुर्जे और आईटी सेवाएं-इन क्षेत्रों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता मजबूत है। चीन पर ऊंचे शुल्क और राजनीतिक अविश्वास के कारण अमेरिका वैकल्पिक आपूर्ति स्त्रोतों की तलाश में है। भारत इस रिक्ति को भरने की स्थिति में है। यह केवल व्यापार का मामला नहीं है। यह भरोसे, लोकतांत्रिक मूल्यों और रणनीतिक संतुलन का भी प्रश्न है। अमेरिका का राष्ट्रीय प्रतीक 'बाल्ड ईगल' है, जो शक्ति और स्वतंत्रता का प्रतीक है। संस्कृत में ईगल का अर्थ गरुड़ है-एक ऐसा प्रतीक जो संरक्षण और संतुलन का भाव लिए हुए है। भारत-अमेरिका सहयोग इसी संतुलन की ओर संकेत करता है।

भारत ने केवल अमेरिका पर निर्भरता नहीं बढ़ाई, बल्कि यूरोपीय संघ के साथ भी व्यापक व्यापार समझौता कर

संतुलित कूटनीति का परिचय दिया। यूरोपीय संघ सामूहिक रूप से दुनिया के सबसे बड़े आयातकों में से एक है। वहां प्रवेश का अर्थ है-उच्च गुणवत्ता मानकों को पूरा करना, प्रतिस्पर्धा में टिकना और दीर्घकालिक साझेदारी बनाना। भारत के लिए यह अवसर दोहरा है। एक ओर निर्यात में वृद्धि होगी, दूसरी ओर यूरोपीय तकनीक और निवेश भारत के विनिर्माण क्षेत्र को और सुदृढ़ करेंगे। हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा सहयोग और डिजिटल नवाचार जैसे क्षेत्रों में भारत-ईयू साझेदारी भविष्य के विकास की आधारशिला बन सकती है। चीन लंबे समय तक 'विश्व की फैक्ट्री' कहलाता रहा है। सस्ते उत्पादन और विशाल निर्यात क्षमता के कारण उसने वैश्विक बाजारों पर मजबूत पकड़ बनाई। किंतु अत्यधिक उत्पादन, डंपिंग, पारदर्शिता की कमी और राजनीतिक तनावों ने पश्चिमी देशों को वैकल्पिक विकल्पों की ओर सोचने पर मजबूर किया।

भारत ने इस स्थिति को अवसर में बदला। 'चाइना प्लस वन' रणनीति के तहत कई वैश्विक कंपनियां भारत में निवेश बढ़ा रही हैं। मोबाइल निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, रक्षा उपकरण और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। हालांकि भारत और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा है, फिर भी भारत ने संतुलन बनाए रखा है। 'ड्रैगन-एलीफेंट' सहयोग की अवधारणा इस बात की ओर संकेत करती है कि एशिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं यदि सहयोग करें तो वैश्विक संतुलन और मजबूत हो सकता है। किंतु भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि उसकी संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि है। भारत की आर्थिक शक्ति केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। उसका भू–रणनीतिक स्थान भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिंद महासागर विश्व व्यापार के प्रमुख समुद्री मार्गों का केंद्र है। ऊर्जा आपूर्ति और कंटेनर यातायात का बड़ा हिस्सा यहीं से गुजरता है। भारत की नौसैनिक क्षमता, अंडमान–निकोबार की रणनीतिक स्थिति और क्षेत्रीय साझेदारियों ने उसे इस क्षेत्र में एक स्थिर शक्ति के रूप में स्थापित किया है। क्वाड जैसे मंचों के माध्यम से भारत ने यह संदेश दिया है कि वह मुक्त, खुला और सुरक्षित इंडो-पैसिफिक क्षेत्र चाहता है। यह भू-रणनीतिक स्थिरता विदेशी निवेशकों के लिए भी आश्वस्ति का कारण है। आर्थिक विकास और सुरक्षा का यह संगम भारत को अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है।

कोई भी देश केवल बाहरी समझौतों से महान नहीं बनता। उसकी आंतरिक मजबूती ही उसकी वास्तविक शक्ति होती है। भारत ने पिछले वर्षों में जीएसटी, दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), डिजिटल भुगतान क्रांति, आधार आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और बुनियादी ढांचे में रिकॉर्ड निवेश जैसे कदम उठाए हैं। डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत को दुनिया की सबसे तेज डिजिटल भुगतान अर्थव्यवस्था बना दिया है। यूपीआई मॉडल को कई देश अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं। स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में भारत विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है। युवा आबादी, बढ़ती मध्यम वर्गीय क्रय शक्ति और शहरीकरण की गति भारत को दीर्घकालिक विकास के लिए सक्षम बनाती है। यही कारण है कि वैश्विक निवेशक भारत को केवल एक बाजार नहीं, बल्कि विकास की कहानी के रूप में देखते हैं। हालांकि तस्वीर पूरी तरह उजली नहीं है। बेरोजगारी, कौशल विकास की आवश्यकता, कृषि क्षेत्र की चुनौतियां, क्षेत्रीय असमानताएं और वैश्विक मंदी का संभावित प्रभाव-ये सभी कारक नीति-निर्माताओं के सामने प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। भारत को निर्यात बढ़ाने के साथ-साथ घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मक बनाना होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य पर निवेश बढ़ाना होगा। हरित ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में भी ठोस कदम उठाने होंगे, क्योंकि भविष्य की अर्थव्यवस्था पर्यावरणीय संतुलन से जुड़ी होगी। इतिहास साक्षी है कि मौर्य और चोल काल में भारत वैश्विक व्यापार का केंद्र था। मसाले, वस्त्र, धातु और ज्ञान–भारत की पहचान विश्वभर में थी।

औपनिवेशिक काल ने इस समृद्धि को क्षीण किया, किंतु स्वतंत्रता के बाद धीरे–धीरे पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई। आज जब भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना चुका है और आने वाले वर्षों में शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की संभावना रखता है, तो यह पुनर्जागरण का संकेत है। गरुड़ की उड़ान केवल ऊंचाई का प्रतीक नहीं, बल्कि दिशा का भी संकेत है। भारत की आर्थिक नीति में आत्मविश्वास, संतुलन और दूरदर्शिता झलकती है। वह किसी एक शक्ति खेमे का हिस्सा बनने के बजाय बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलनकारी भूमिका निभा रहा है। बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत ने यह सिद्ध किया है कि विकास और कूटनीति साथ-साथ चल सकते हैं। अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ समझौते, चीन के साथ संतुलित रुख, हिंद महासागर में रणनीतिक उपस्थिति और घरेलू सुधार–ये सभी कारक मिलकर भारत को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहे हैं। यह यात्रा सरल नहीं है, किंतु दिशा स्पष्ट है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ भारत केवल अपने हितों की रक्षा नहीं कर रहा, बल्कि वैश्विक संतुलन की भी चिंता कर रहा है।

विचार विण्डो

आप मुखौटा उतारकर एक बार खुद को पहचानिए तो सही

– संजीव कुमार

आधुनिक समाज में इंसान धीरे–धीरे अपने वास्तविक स्वरूप से दूर होता जा रहा है। वह जैसा है, उससे अधिक वैसा दिखने की कोशिश करता है जैसा समाज, परिवार, संस्थान या सोशल मीडिया उससे अपेक्षा करते हैं। उसकी पहचान अब स्वाभाविक नहीं रही; वह यादों, महत्वाकांक्षाओं और बाहरी दबावों से गढ़ी हुई एक कृत्रिम छवि बनती जा रही है। परिणामस्वरूप जीवन सहज अभिव्यक्ति न रहकर एक निरंतर अभिनय बन जाता है। आज के समय में व्यक्ति यह सोचकर जीता है कि उसे आगे बढ़ने के लिए क्या बनना चाहिए–कैसे बोलना चाहिए, कैसे दिखना चाहिए, किन विचारों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करना चाहिए। कॉर्पोरेट जगत में पेशेवर छवि, सोशल मीडिया पर सजाया गया व्यक्तित्व और सार्वजनिक जीवन में राजनीतिक शुद्धता–ये सब मिलकर एक ऐसा वातावरण तैयार करते हैं, जहां वास्तविकता की जगह प्रस्तुति को महत्व दिया जाता है। चेहरे परिस्थितियों के अनुसार बदलते रहते हैं। व्यक्ति अपने मन की सच्चाई से अधिक इस बात पर ध्यान देता है कि उसकी बातों और कार्यों को लोग कैसे देखेंगे। धीरे–धीरे यह प्रवृत्ति उसकी स्वाभाविकता को क्षीण कर देती है। वह अपने भीतर की आवाज को सुनने के बजाय बाहरी स्वीकृति के शोर में उलझ जाता है। दीर्घकाल में यह कृत्रिम जीवनशैली गहरे मनोवैज्ञानिक और नैतिक संकट उत्पन्न करती है। जब हर निर्णय 'कैसा दिखेगा' की

कसौटी पर कसा जाने लगे, तो व्यक्ति भीतर से थक जाता है। निरंतर स्वयं को सुधारने, संवारने और प्रस्तुत करने की चिंता उसके मन को बोझिल कर देती है। ऐसी स्थिति में निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। व्यक्ति सत्य या नैतिकता के आधार पर नहीं, बल्कि छवि के आधार पर निर्णय लेने लगता है। इससे आत्मविश्वास कमजोर पड़ता है और भीतर एक रिक्तता जन्म लेती है। मानसिक तनाव, असंतोष और आत्म–संदेह इसी कृत्रिम जीवन के दुष्परिणाम हैं। इसी संदर्भ में 'अनबीकमिंग' की अवधारणा अत्यंत प्रासंगिक हो जाती है। यह स्वयं को लगातार गढ़ने और दूसरों जैसा बनने की दौड़ से बाहर निकलने की प्रक्रिया है। 'अनबीकमिंग' का अर्थ है–बनावटी पहचान, पूर्वाग्रहों, भय और सामाजिक अपेक्षाओं के आवरण को धीरे–धीरे उतारना और अपने वास्तविक स्वरूप की ओर लौटना। यह एक आंतरिक यात्रा है, जिसमें व्यक्ति अतीत की आसक्तियों और भविष्य की कल्पित चिंताओं से मुक्त होकर वर्तमान में जीना सीखता है। 'अनबीकमिंग' हमें यह सिखाती है कि हम स्वयं को बाहरी परिभाषाओं से नहीं, बल्कि अपनी आत्मा की अनुभूति से पहचानें।

हमारा अधिकांश जीवन किसी लक्ष्य को प्राप्त करने की दौड़ में बीत जाता है। हम सोचते हैं कि जब हम अमुक पद, प्रतिष्ठा या सफलता हासिल कर लेंगे, तभी संतुष्ट होंगे। किंतु 'अनबीकमिंग' हमें एक अलग दृष्टिकोण प्रदान करती है–परिणाम की चिंता छोड़कर स्वयं परिणाम बन जाने का दृष्टिकोण। इसका अर्थ है अपने इच्छित स्वरूप को अभी और यहीं पूरी ईमानदारी से जीना। यदि हम शांत होना चाहते हैं, तो पहले से ही शांत होकर जिएं। यदि हम सच्चे बनना चाहते हैं, तो अभी सच्चाई का अभ्यास करें। 'बनने' की कला किसी भविष्य की उपलब्धि नहीं, बल्कि वर्तमान की सजगता है। माणिकता की शक्तिसच्ची प्रामाणिकता कभी शोर नहीं मचाती। वह शांत, स्थिर और अक्सर असुविधाजनक होती है, क्योंकि वह हमें हमारे भ्रमों से बाहर निकालती है। जब हम बिना पूर्वधारणाओं और कल्पित परिणामों के स्वयं को स्वीकार करते हैं, तभी वास्तविक आत्मविश्वास जन्म लेता है। प्रामाणिक जीवन जीना साहस मांगता है। इसमें हमें अपनी कमजोरियों को भी स्वीकार करना पड़ता है। 'मैं सब जानता हूं' जैसी निश्चितता छोड़कर विनम्रता अपनानी होती है। यही विनम्रता सीखने और बढ़ने का वास्तविक द्वार खोलती है। नेतृत्व भी प्रामाणिकता की तरह रटे–रटाए उत्तरों से नहीं, बल्कि हर क्षण को खुले मन से स्वीकार करने के साहस से जन्म लेता है। जो व्यक्ति अपने भीतर स्पष्ट और सच्चा है, वही दूसरों का मार्गदर्शन कर सकता है। आज जब सार से अधिक दिखावे को महत्व दिया जाता है, 'अनबीकमिंग' एक साहसी विकल्प बनकर उभरती है। यह हमें स्थापित पहचानों को छोड़ने और वर्तमान के सत्य को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। प्रतिस्पर्धा से भरी इस दुनिया में 'बनने' की दौड़ अक्सर इस बात पर केंद्रित रहती है कि हम दूसरों की नजर में कैसे दिखाई दें। लेकिन वास्तविक शांति और संतोष तभी मिलते हैं जब हम अपने भीतर झांकते हैं और उस प्रामाणिक स्त्रोत को पहचानते हैं जो लंबे समय से सुप्त पड़ा है। 'अनबीकमिंग' कोई एक दिन का निर्णय नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास है। यह स्वयं से ईमानदार संवाद की प्रक्रिया है–मुखौटा उतारने का साहस और अपने असली स्वरूप को स्वीकार करने की तैयारी। अंततः, जब हम बनावटी पहचानों का त्याग कर देते हैं, तब जीवन अभिनय नहीं, अनुभव बन जाता है। तब हम दूसरों की अपेक्षाओं के अनुसार नहीं, बल्कि अपनी आत्मा की सच्चाई के अनुसार जीते हैं। यही सच्ची स्वतंत्रता है–स्वयं को पहचानने और उसी रूप में जीने की स्वतंत्रता।

अर्शदीप के निशाने पर अश्विन का बड़ा रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पास आज टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम करने का सुनहरा मौका है। दिल्ली में नामीबिया के खिलाफ मुकाबले में अगर वह चार विकेट हासिल कर लेते हैं, तो वह भारत के लिए टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के नाम दर्ज है। अश्विन ने 24 मैचों में 32 विकेट लिए थे। अर्शदीप सिंह अब तक 15 मुकाबलों में 29 विकेट झटक चुके हैं। यानी वह अश्विन से सिर्फ चार विकेट दूर हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए यह लक्ष्य उनके लिए असंभव नहीं लगता। अर्शदीप का प्रदर्शन हाल के मुकाबलों में शानदार रहा है। अमेरिका के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करते हुए अहम विकेट चटकाए थे। नई गेंद से स्विंग और डेथ ओवरों में सटीक यॉर्कर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। भारत के लिए टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में अश्विन (32) पहले, अर्शदीप (29) दूसरे और जसप्रीत बुमराह (26) तीसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा हार्दिक पांड्या और रविंद्र जडेजा भी इस सूची में शामिल हैं। अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर की बात करें तो अर्शदीप पहले ही टी-20 इंटरनेशनल में भारत के सबसे सफल गेंदबाजों में शुमार हो चुके हैं। 77 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके नाम 120 विकेट दर्ज हैं। उनकी उम्र अभी सिर्फ 27 साल है, जिससे साफ है कि उनके पास आगे लंबा करियर बाकी है। दुनिया भर में टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बांग्लादेश के शाकिब अल हसन (50 विकेट) के नाम है।

हालांकि, जिस तेजी से अर्शदीप आगे बढ़ रहे हैं, भविष्य में वह इस वैश्विक सूची में भी ऊंची छलांग लगा सकते हैं। आज का मुकाबला सिर्फ टीम इंडिया के लिए अहम नहीं, बल्कि अर्शदीप के व्यक्तिगत करियर के लिहाज से भी ऐतिहासिक साबित हो सकता है। क्रिकेट फैंस की नजरें इस युवा तेज गेंदबाज पर टिकी रहेंगी कि क्या वह अश्विन का रिकॉर्ड तोड़कर भारतीय क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिख पाएंगे।

टी–20 वर्ल्ड कप : कौन बनेगा क्वालीफायर, भारत की रेस कैसी?

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर-8 की जंग अब और रोमांचक हो गई है। पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका जैसे टीमें अगले चरण में पहुंचने के लिए केवल एक जीत दूर हैं, जबकि अफगानिस्तान, यूएसए और आयरलैंड लगभग रेस से बाहर हो चुकी हैं। भारत को भी सुपर-8 में जगह बनाने के लिए अपने बाकी ग्रुप मैच जीतने होंगे।

ग्रुप-एः पाकिस्तान ने पहले दो मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया है। भारत ने अपना पहला मैच यूएसए के खिलाफ जीतकर अच्छी शुरुआत की थी। भारत को सुपर-8 में क्वालीफाई करने के लिए अपने तीन शेष मुकाबलों में कम से कम दो जीत दर्ज करनी होगी। ग्रुप-बीः आयरलैंड के शुरुआती हार के बाद यह ग्रुप ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और श्रीलंका के बीच शीर्ष दो स्थानों के लिए संघर्ष कर रहा है। ग्रुप-सीः वेस्टइंडीज ने दो में से दो जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया है। स्कॉटलैंड और इंग्लैंड भी प्रतियोगिता में हैं और सुपर-8 में प्रवेश के लिए टक्कर में हैं। ग्रुप-डीः न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका ने दोनों अपने पहले मैच जीतकर चार अंक अर्जित किए हैं। दोनों टीमों को सुपर-8 में जगह बनाने के लिए केवल एक जीत चाहिए। अफगानिस्तान इस रेस से लगभग बाहर हो गई है।

पहले दिन ही मुंह के बल गिरेगी शाहिद कपूर की फिल्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। शाहिद कपूर और त्रिप्ति डिमरी की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'ओ रोमियो' 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी यह फिल्म रिलीज से पहले एडवांस बुकिंग में अपेक्षित धमाकेदार प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। 10 फरवरी से शुरू हुई प्री-सेल्स के दौरान अब तक 8595 शोज में केवल 50,648 टिकट बिक पाए हैं।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने अब तक एडवांस बुकिंग से 1.19 करोड़ की कमाई की है। यदि ब्लॉक सीटों को जोड़ दिया जाए, तो कुल संभावित ग्रॉस कलेक्शन लगभग 3.27 करोड़ तक पहुंच सकता है। गुजरात में सबसे अधिक कमाई 12.18 लाख दर्ज हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, प्लेटफॉर्म पर लगभग 20,000 टिकट बिक चुके हैं। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि गुरुवार रात से वैलेंटाइन डे तक टिकट बिक्री में 40-50 प्रतिशत तक इजाफा संभव है। शुरुआती रिव्यू और चर्चा सकारात्मक रहने पर थिएटरों में शोज की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

फिल्म का बजट 75–80 करोड़ बताया गया है। 'ओ रोमियो' हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' पर आधारित है और मुंबई के गैंगस्टर हुसैन उस्तारा और दाऊद इब्राहिम की हत्या की साजिश की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म में नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पटानी, फरीदा जलाल और विक्रांत मैसी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

तिहाड़ में बंद राजपाल यादव को फिल्म और ब्रांड्स से मिला सहारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के फेमस कॉमेडियन राजपाल यादव, जो चेक बाउंस के एक मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं, को अब फिल्म इंडस्ट्री और अन्य क्षेत्रों से मदद मिल रही है। हाल ही में ब्यूटी सर्विसेज कंपनी मयंक आर्य ने राजपाल यादव की मदद के लिए कदम बढ़ाया। मयंक ने घोषणा की कि राजपाल जल्द ही येस मैडम की एक एड फिल्म में काम करेंगे।

इसके अलावा मयंक ने अन्य ब्रांड्स से भी अपील की है कि वे ऐसे टैलेंटेड स्टार्स को सपोर्ट करें। पहले फेमस सिंगर गुरु रंधावा ने भी राजपाल की आर्थिक मदद का वादा किया और अपने आने वाले म्यूजिक वीडियो में उन्हें कास्ट करने की बात कही। राजपाल की मदद के लिए कई अन्य सेलेब्स भी आगे आए हैं, जिनमें गुरमीत चौधरी, तेजप्रताप यादव, सलमान खान, अजय देवगन, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, वरुण धवन और राव इंदरजीत शामिल हैं।

सभी ने सहायता का भरोसा दिलाया और कुछ ने बड़ी रकम देने का ऐलान भी किया। उनकी पत्नी राधा यादव ने सभी मददगारों का धन्यवाद किया और बॉलीवुड इंडस्ट्री के सहयोग की सराहना की। राजपाल यादव के खिलाफ यह मामला 2018 में दर्ज हुआ था, जब एक फिल्म प्रोडक्शन के लिए दिए गए कर्ज का भुगतान नहीं हुआ। कोर्ट ने उन्हें सरेंडर करने का आदेश दिया, जिसके बाद वे जेल गए। जेल जाने से पहले राजपाल यादव ने अपनी भावनाएं साझा की थीं, जिसमें उन्होंने खुद को अकेला बताया था। अब फिल्म इंडस्ट्री और ब्रांड्स के सहयोग से उनकी मुश्किलें कुछ कम हो रही हैं और जल्द रिहाई की उम्मीद जग रही है।

उदित नारायण पर पहली पत्नी ने जबरन सर्जरी कराने का लगाया आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक उदित नारायण एक बार फिर विवादों में हैं। उनकी पहली पत्नी रंजना ने बिहार के सुपौल जिले के महिला थाने में शिकायत दर्ज कर गंभीर आरोप लगाए हैं। रंजना का दावा है कि 1996 में इलाज के बहाने उन्हें दिल्ली के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां बिना उनकी सहमति के उनका गर्भाशय (यूट्रस) निकाल दिया गया। इस मामले में उन्होंने उदित नारायण, उनके दो भाइयों और दूसरी पत्नी दीपा नारायण पर आपराधिक साजिश का आरोप लगाया है। रंजना के अनुसार, उनकी शादी 1984 में हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी, लेकिन बाद में उदित मुंबई जाकर बस गए और दूसरी शादी कर ली।

122 मीटर से गिरती गेंद, बटलर ने रचा इतिहास

जोस बटलर ने बनाया सबसे उंचा कैच पकड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रिकेट इतिहास में कई हैरतअंगेज कैच देखने को मिले हैं, लेकिन इंग्लैंड के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर ने जो कारनामा किया, उसने खेल की परिभाषा ही बदल दी। आसमान में 122 मीटर की उंचाई पर उड़ रहे ड्रोन से गिराई गई क्रिकेट गेंद को बिना किसी सुरक्षा जाल या दूसरी कोशिश के, एक ही प्रयास में सुरक्षित पकड़कर बटलर ने सबसे उंचा कैच लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

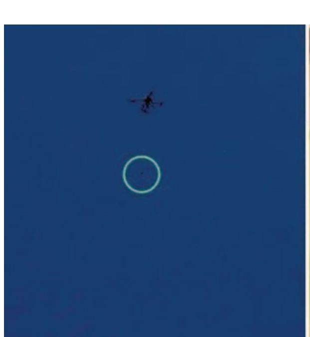

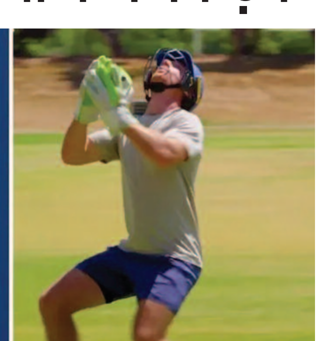

यह ऐतिहासिक क्षण 8 फरवरी को मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में देखने को मिला। यह मौका था टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड के पहले मुकाबले का, जहां नेपाल के खिलाफ मैच से पहले आयोजित एक विशेष चैलेंज में बटलर ने यह अद्भुत उपलब्धि हासिल की। इस रिकॉर्ड के लिए क्रिकेट गेंद को एक विशेष ड्रोन की मदद से जमीन से 122 मीटर ऊपर ले जाया गया। यह उंचाई लगभग 40 मंजिला इमारत के बराबर मानी जाती है। तय संकेत मिलने के बाद ड्रोन से गेंद को सीधा नीचे गिराया गया। उंचाई जितनी अधिक, चुनौती उतनी बड़ी। इतनी उंचाई से गिरती गेंद की रफ्तार तेज हो जाती है, साथ ही हवा का दबाव और दिशा भी उसके मार्ग को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में गेंद की सही दिशा का अनुमान लगाना और आखिरी क्षण तक उस पर नजर बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए बेहद कठिन कार्य है। लेकिन बटलर पूरी तरह शांत दिखे। उन्होंने अपनी नजरें गेंद पर टिकाए रखीं, शरीर का संतुलन बनाए रखा और सटीक टाइमिंग के साथ गेंद को अपने दस्तानों में समेट लिया। जैसे ही गेंद उनके हाथों में सुरक्षित पहुंची, स्टेडियम तालियों और उत्साह से गूंज उठा। बटलर ने इस उपलब्धि के साथ 119.86 मीटर के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड 2021 में सिडनी में ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर थिमोथी शैनन जेबेसीलन ने बनाया था। उन्होंने 2019 में बने 114 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ा था। अब बटलर ने उस आंकड़े को पार करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। हालांकि, इस रिकॉर्ड को आधिकारिक रूप से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की मंजूरी मिलना अभी बाकी है। पुष्टि होते ही बटलर क्रिकेट बॉल से सबसे उंचा कैच लेने वाले आधिकारिक विश्व रिकॉर्ड धारक बन जाएंगे। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज केविन पीटरसन इस खास मौके पर मौजूद थे। उन्होंने पूरे प्रयास का वीडियो शूट किया और अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि गेंद जब उंचाई से गिरती है तो बटलर एक पल के लिए भी घबराते नहीं हैं। पीटरसन और उनकी टीम कैच पूरा होते ही खुशी से उछल पड़ते हैं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया है और क्रिकेट प्रेमी इस कारनामे की जमकर तारीफ कर रहे हैं। 122 मीटर की उंचाई से गिरती गेंद केवल एक साधारण कैच नहीं थी। यह आंख और हाथ के तालमेल, मानसिक स्थिरता, रिएक्शन टाइम और साहस की असली परीक्षा थी। इतनी उंचाई से गिरने के बाद गेंद की गति काफी तेज हो सकती है। ऐसे में छोटी सी चूक गंभीर चोट का कारण बन सकती थी। लेकिन बटलर ने बेहतरीन तकनीक का प्रदर्शन किया।

विशेषज्ञों का मानना है कि विकेटकीपर के रूप में वर्षों का अनुभव, तेज नजर और निरंतर अभ्यास ने उन्हें यह उपलब्धि हासिल करने में मदद की। जोस बटलर पहले से ही दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर–बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। वनडेः 199 मैच, 236 कैच, टी-20 इंटरनेशनलः 148 मैच, 87 कैच, टेस्टः 73 मैच, 153 कैच, इस तरह वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक कुल 476 कैच ले चुके हैं। यह आंकड़ा उनके असाधारण फोकस, फिटनेस और निरंतरता का प्रमाण है। उनका यह नया रिकॉर्ड उनके करियर की उपलब्धियों में एक और चमकदार अध्याय जोड़ता है।

आयुष शर्मा को बिश्नोई गैंग से धमकी मिली

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के परिवार पर लगातार धमकियों का सिलसिला जारी है। हाल ही में सलमान खान के जीजा और अभिनेता आयुष शर्मा को जान से मारने की धमकी मिली है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने इस बात की पुष्टि की है कि आयुष शर्मा को ई-मेल के जरिए गंभीर और खतरनाक धमकी भेजी गई। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जोड़कर बताया है। पुलिस अब इस ई-मेल आईडी की पहचान कर आरोपी तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

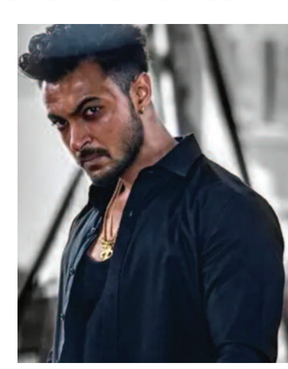

इससे पहले भी बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह को व्हाट्सऐप पर वॉयस नोट के जरिए जान से मारने की धमकी मिली थी। पुलिस दोनों मामलों में मेल और वॉयस नोट के बीच संभावित कनेक्शन की जांच कर रही है। मुंबई पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है और लगातार निगरानी रख रही है। बता दें कि हाल ही में सलमान खान के घर पर भी फायरिंग हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी बिश्नोई गैंग ने ली थी। वहीं, बॉलीवुड फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर के बाहर भी फायरिंग की घटना हुई, जिसमें करीब पांच राउंड फायरिंग की गई। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत घटना स्थल की जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि ऐसी धमकियां फिल्म इंडस्ट्री में चिंता का विषय हैं। स्टार्स की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ाई जा रही है और अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। यह घटनाएं स्पष्ट करती हैं कि सिर्फ सलमान खान ही नहीं, बल्कि उनके करीबी रिश्तेदार और दोस्त भी इन अपराधियों के निशाने पर हैं। इस मामले की जांच लगातार जारी है और पुलिस जल्द ही धमकी देने वाले अपराधियों तक पहुंच बनाने की कोशिश करेगी।

मुजफ्फरनगर एनकाउंटर: 50 हजार का इनामी अमजद ढेर

दो पुलिसकर्मी घायल, एसपी की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी गोली

यूनिक समय, मुजफ्फरनगर। जिले के बुढ़ाना में पुलिस और बाइक सवार दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी अपराधी अमजद ढेर हो गया। घटना में बुढ़ाना कोतवाली के दरोगा संदीप और सिपाही अशफाक घायल हुए हैं। वहीं, एसपी देहात आदित्य बंसल की बुलेटप्रूफ जैकेट और उनकी गाड़ी में भी गोली लगी, लेकिन वे सुरक्षित रहे। एसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के करीब तीन बजे बुढ़ाना, तितावी और शाहपुर थाना की संयुक्त पुलिस टीम ने बाइक सवार दो बदमाशों को रोकने का प्रयास किया। जैसे ही पुलिस ने इशारा किया, बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव हरसोली निवासी अमजद घायल हो गया, जबकि उसका साथी भागने में सफल रहा। मुठभेड़ में अमजद से पिस्टल और कार्बाइन बरामद की गई। घायल अमजद को बुढ़ाना सीएचसी ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। अमजद अंतर्राज्यीय स्तर का अपराधी था और उसके विरुद्ध मेरठ, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, बागपत, गाजियाबाद समेत कई जिलों में हत्या, लूट, चोरी और गैंगस्टर जैसी गंभीर धाराओं में लगभग 40 मुकदमे दर्ज थे। वह बुढ़ाना कोतवाली में दर्ज लूट के दो मामलों में वांछित चल रहा था। मुठभेड़ में पुलिस ने अमजद के पास से कुछ जेवर और दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

घायल दरोगा और सिपाही को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस एनकाउंटर से इलाके में कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस की तत्परता और सक्रियता की झलक मिली।

दामाद संग भागी सास अब बहनोई के साथ फरार

दो लाख रुपये और जेवर ले गई

यूनिक समय, अलीगढ़। करीब 10 महीने पहले दामाद राहुल के साथ घर से फरार हुई सास सपना ने एक बार फिर नया विवाद खड़ा कर दिया। हाल ही में उसने अपने बहनोई के साथ फरार होकर 2 लाख रुपये नकद और कीमती जेवर अपने साथ ले लिए। राहुल ने पुलिस को शिकायत दी कि सपना घर छोड़कर बहनोई के साथ चली गई। पहले सपना और राहुल बिहार के सीतामढ़ी में रह रहे थे, जहां राहुल कपड़ों का कारोबार कर रहा था। पुलिस ने उनके रहने की अनुमति दी थी, लेकिन अब यह मामला फिर से चर्चा में आ गया है।

बताया जा रहा है कि सपना लंबे समय से अपनी बेटी, बहन और बहनोई के संपर्क में थी। राहुल की गैरमौजूदगी में बहनोई उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। सपना के दो बच्चे हैं और राहुल ने दामाद के बाद दूसरी शादी कर ली है। इस पूरे मामले ने इलाके में हलचल मचा दी है।

संभल में सरकारी जमीन पर अवैध मदरसे पर बुलडोजर कार्रवाई

यूनिक समय, संभल। जिले के चंदौसी क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अवैध रूप से बने मदरसे को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त किया। नरौली मोहल्ला बंजारी कुआं में स्थित इस मदरसे पर कार्रवाई बृहस्पतिवार को अधिकारियों की मौजूदगी में की गई। तहसीलदार चंदौसी रवि सोनकर ने 22 जनवरी को संबंधित गाटा संख्या की भूमि को लेकर बेदखली का आदेश जारी किया था। यह भूमि राजस्व अभिलेखों में रास्ता और खाद के रूप में दर्ज है। एसडीएम और सीओ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मदरसे को ढहाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात की गई थी। आसपास के लोग भी मौके पर जमा रहे और प्रशासनिक कार्रवाई का दृश्य देखा।

इस घटना से पहले भी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों जैसे बरेली और कानपुर में सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माणों पर बुलडोजर कार्रवाई की गई थी। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार के गैरकानूनी निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

एसएन मेडिकल कॉलेज में एडवांस बाल रोग अस्पताल रोबोटिक सर्जरी की सुविधा

यूनिक समय, आगरा। योगी सरकार ने बजट 2026 में आगरा को बड़ी सौगात दी है। एसएन मेडिकल कॉलेज में बच्चों के लिए 250 बेड का एडवांस बाल रोग अस्पताल बनेगा, जिसमें रोबोटिक सर्जरी की सुविधा भी होगी। अस्पताल में हृदय, पेट, फेफड़े, जननांग और न्यूरोसर्जरी समेत जटिल सर्जरी रोबोट द्वारा की जाएगी। बजट में इस परियोजना के लिए 130 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जिनमें से 125 करोड़ अस्पताल और हॉस्टल-फ्लैट निर्माण के लिए रखे गए हैं। 10 मंजिला भवन में पांच ऑपरेशन थिएटर और एआई आधारित लैब होगी, जिससे बच्चों की बीमारियों का सटीक पता लगाया जा सकेगा। इसके अलावा डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए फ्लैट, नर्सिंग छात्रों के लिए 220 कमरों वाला हॉस्टल और 1000 वाहनों के लिए मल्टीलेवल पार्किंग बनाई जाएगी। विभिन्न विभागों के लिए 5.5 करोड़ रुपये की मशीन-उपकरण खरीद भी शामिल है। प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता के अनुसार, यह अस्पताल मिनी एम्स की तर्ज पर विकसित होगा और आगरा सहित आसपास के जिलों के मरीजों को भी लाभ मिलेगा। परियोजना के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है, और आने वाले समय में यह बच्चों की स्वास्थ्य सुविधाओं में मील का पत्थर साबित होगी।

सपा विधायक फहीम का ओबीसी सर्टिफिकेट फर्जी, सदस्यता पर संकट

यूनिक समय, मुरादाबाद। बिलारी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक फहीम इरफान अब विवादों में घिर गए हैं। हाल ही में जनपद स्तरीय जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति और जिला प्रशासन की जांच में उनके और उनके परिवार के डइउ प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए। जांच में उनके दस्तावेजों को असत्य और फर्जी करार दिया गया। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसे मामलों की सख्ती से जांच होगी और फर्जी प्रमाण पत्र पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। फहीम इरफान ने बिलारी सीट पर 95,338 वोट हासिल किए थे और 39.92% मतों से जीत दर्ज की थी।

यदि प्रमाण पत्र फर्जी पाया जाता है तो विधायक की सदस्यता खतरे में पड़ सकती है, और राजनीतिक दबाव बढ़ सकता है। मामले की कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई अब आगे तय करेगी कि विधायक पद सुरक्षित रहेगा या नहीं।

बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा पर खाताधारकों का धरना

जमा पूंजी की वापसी की मांग

यूनिक समय, लखनऊ। शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा पर खाताधारकों ने ताला लगाकर धरना शुरू कर दिया। उन्होंने बैंक पर लेनदेन में अनियमितताओं का आरोप लगाया और अपनी जमा रकम लौटाने व दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। धरने में शामिल ग्राहकों ने बैंक शटर खुलने नहीं दिया और अपनी जीवनभर की बचत को लेकर चिंता जताई। उनका कहना था कि बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की संलिप्तता की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

सूचना मिलने पर पारा पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। बैंक प्रबंधन की ओर से इस मामले में दोपहर तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई। एहतियात के तौर पर परिसर में पुलिस बल तैनात किया गया है।

हालांकि, खाताधारक अपनी मांगों पर डटे हुए हैं और उनका धरना जारी है। परिसर में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर 61 दिन बाद रिहा

यूनिक समय, देवरिया। देवरिया जेल में बंद पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर बुधवार शाम 61 दिनों के बाद रिहा हो गए। जेल से बाहर आते समय वे हड़बड़ी में दिखे और मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। रिहाई के बाद उन्हें लेने आई कार में बैठकर वे चले गए।

अमिताभ ठाकुर को 26 साल पुराने जमीन खरीद-फरोख्त मामले में 10 दिसंबर 2025 को शाहजहांपुर से गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान उनकी दो बार तबीयत बिगड़ी, एक बार उन्हें माइनर हार्ट अटैक आया और उन्हें लखनऊ लाना पड़ा।

1992 बैच के आईपीएस अमिताभ ठाकुर एएसपी और एसपी के पदों पर कई जिलों में तैनात रहे। 23 मार्च 2021 को गृह मंत्रालय ने उन्हें जबरन रिटायर कर दिया था। 19 जनवरी 2026 को उनकी जमानत मंजूर हुई थी, लेकिन औपचारिकताओं के कारण रिहाई में देरी हुई। रिहाई के बाद उन्होंने मीडिया से दूरी बनाकर कार में बैठकर निकलना पसंद किया।

कानून व्यवस्था और बजट को लेकर विधान परिषद में सपा का बर्हिगमन

यूनिक समय, लखनऊ। विधान परिषद में गुरुवार को कानून व्यवस्था और बजट को लेकर सपा के सदस्यों ने बर्हिगमन किया। सपा ने राज्य में खराब कानून व्यवस्था का आरोप लगाते हुए सदन से बाहर जाने का निर्णय लिया। इस दौरान सदन की कार्यवाही तीन बजे तक भोजनावकाश के लिए स्थगित कर दी गई। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश का बजट जनता को लूटने के लिए लाया गया है और भाजपा केवल लोगों को आपस में लड़ाने का काम करती है। वहीं, सपा विधायक अनिल प्रधान ने किसानों

की बदहाली, महंगाई और जमीन अधिग्रहण की समस्याओं को उठाया। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद लेने के लिए लंबी लाइनें खड़ी करनी पड़ती हैं और कई बार पुलिस की कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। सरकार की ओर से कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सपा के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि यूपी में डीजल की कीमतें अन्य राज्यों की तुलना में कम हैं और किसानों को उचित मुआवजा दिया जा रहा है। मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा पर हमलावर होते हुए कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बुजुर्गों और दिव्यांगों के हित में काम कर रही है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध कर रहा है। बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा जारी रहेगी, जिसमें विपक्ष ने पहले भी विरोध दर्ज कराया था।

एक्सप्रेस-वे पर बस पलटी, 80 से अधिक यात्री सवार

यूनिक समय, कन्नौज। एक एक्सप्रेस-वे हादसे में एक बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में बैठने की क्षमता 56 यात्रियों की थी, लेकिन हादसे के समय 80 से अधिक लोग सवार थे। बिहार निवासी यात्री प्रवीण कुमार ने बताया कि बस सुबह अचानक तेज झटके के साथ मुड़ी और पलट गई, संभवतः ड्राइवर को झपकी आने की वजह से। प्रवीण को हल्की चोट आई है। दुर्घटना के बाद बस चालक और कंडेक्टर मौके से फरार हो गए, और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। अधिकारियों ने बस संचालन दस्तावेजों और ओवरलोडिंग की जांच शुरू कर दी है। हल्के घायल यात्रियों का प्राथमिक उपचार कर अन्य बसों से गंतव्य की ओर रवाना किया गया। घायकों में दरभंगा, वैशाली, मधुबनी, गोपालगंज और मोतिहारी के यात्री शामिल हैं। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है। ओवरलोडिंग और चालक की लापरवाही पाए जाने पर ट्रैवल एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

सार संक्षेप

फर्जी पासपोर्ट रैकेट में गिरफ्तारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भीकाजी कामा पैलेस, दिल्ली से जुड़े बाबू पुष्पेंद्र कुमार सिंह को गाजियाबाद पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने एक ही एड्रेस और मोबाइल नंबर पर 22 पासपोर्ट जारी कराए। हर फाइल के बदले वह करीब एक हजार रुपये वसूलता था। मामले में पहले भी कई पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो चुकी है। पुलिस अब पूरे नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपियों की जांच में जुटी है।

प्रियंका गांधी ने किया भारत बंद का समर्थन

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को किसानों के लिए नुकसानदायक बताते हुए भारत बंद का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मजदूर संगठनों की हड़ताल जायज है और पार्टी उनके साथ खड़ी है। राहुल गांधी पर दर्ज हो रहे मामलों को लेकर उन्होंने कहा कि एफआईआर या कानूनी कार्रवाई से उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वे जनता की आवाज उठाते रहेंगे।

हंगामे के बीच लोकसभा स्थगित

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुरुवार को संसद की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। शोर-शराबे और नारेबाजी के चलते सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। विभिन्न मुद्दों पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। अध्यक्ष ने सदस्यों से शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन स्थिति सामान्य न होने पर कार्यवाही रोकनी पड़ी।

मुंबई में सामूहिक नकल उजागर

यूनिक समय, नई दिल्ली। छत्रपति संभाजीनगर में एचएससी बोर्ड परीक्षा के दौरान सामूहिक नकल का मामला सामने आया है। अंग्रेजी के पेपर के दौरान बड़े पैमाने पर नकल की घटना सीसीटीवी में कैद हुई। जिला प्रशासन ने फुटेज के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए परीक्षा केंद्र संचालक समेत 19 पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों के खिलाफ निलंबन व अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव दिया है। जांच जारी है।

पटना कोर्ट को बम की धमकी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कोर्ट परिसर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और सुरक्षा बढ़ा दी गई। बम निरोधक दस्ते ने तलाशी अभियान चलाया। फिलहाल कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। पुलिस धमकी देने वाले की पहचान करने और मामले की जांच में जुटी है।

114 नए राफेल जेट्स को मंजूरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मोदी सरकार ने फ्रांस से 114 नए राफेल लड़ाकू विमान खरीदने को मंजूरी दे दी है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये की डील को स्वीकृति दी, जिसमें 2.5 लाख करोड़ विमान और शेष राशि हथियार व सपोर्ट पैकेज पर खर्च होगी। साथ ही 6 पी-8आई समुद्री गश्ती विमान और हाई एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म सिस्टम की खरीद को भी हरी झंडी मिली है, जिससे वायुसेना और नौसेना की ताकत बढ़ेगी।

अहमदाबाद एयर इंडिया हादसा

पायलट द्वारा फ्यूल कट ऑफ की आशंका जताई

यूनिक समय, नई दिल्ली। अहमदाबाद में जून 2025 में हुए एयर इंडिया फ्लाइट एआई 171 के हादसे की नई जांच रिपोर्ट ने शुरुआती तकनीकी खराबी के दावे को खारिज करते हुए यह संकेत दिया है कि विमान का इंजन फ्यूल जानबूझकर या गलती से बंद किया गया था। इटली के अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय और अमेरिकी जांचकर्ताओं ने यह आशंका जताई है कि हादसा तकनीकी खराबी के कारण नहीं हुआ।

विमान टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गया, जिसमें 260 लोगों की मौत हो गई और केवल एक यात्री जिंदा बचा। रिपोर्ट में यह उल्लेख है कि पायलटों के बीच फ्यूल कट ऑफ को लेकर कॉकपिट में चर्चा हुई थी, लेकिन यह साफ नहीं है कि यह जानबूझकर किया गया था या गलती से हुआ। मुख्य पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर पर अभी जांच जारी है। हादसे के बाद कैप्टन सुमीत डिप्रेशन में थे, लेकिन पायलट संघ और उनके परिवार ने आरोपों का विरोध किया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की अंतिम रिपोर्ट अभी जारी नहीं हुई है, इसलिए जिम्मेदारी तय नहीं हो पाई है। जांच से यह स्पष्ट होता है कि हादसा तकनीकी खराबी के कारण नहीं हुआ और आगे की जांच में ही दोष तय किया जाएगा। इस नई रिपोर्ट ने देश और दुनिया में एयर इंडिया हादसे के कारणों को लेकर बहस को और तेज कर दिया है।

ब्रिटेन के अखबार का दावा : एयरलाइन ने 10-20 लाख में केस निपटाने का प्रस्ताव दिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ मिनटों बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई। इस दुखद हादसे में 270 लोगों की मौत हुई, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री ही जिंदा बचा।

ब्रिटेन के अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, एयर इंडिया ने मृतक यात्रियों के परिवारों को 10 लाख से लेकर कुछ मामलों में 20 लाख तक का मुआवजा देने का प्रस्ताव रखा है। इसके बदले परिवारों को भविष्य में किसी भी कानूनी दावा से हाथ खींचना होगा। 130 पीड़ित परिवारों की लीगल टीम ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उनका कहना है कि जांच अभी पूरी नहीं हुई है और जिम्मेदारी तय नहीं हुई, इसलिए केस छोड़ने का दबाव अनुचित है। एयर इंडिया ने कहा कि हर प्रभावित परिवार की मदद सुनिश्चित की जाएगी और अंतिम मुआवजा कानूनी मानकों के अनुसार तय किया जाएगा।

बीजेपी सांसद ने राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने का प्रस्ताव पेश किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ 'सब्सटेंसिव मोशन' पेश किया। इस मोशन में कहा गया है कि राहुल गांधी सोरोस जैसी विदेशी ताकतों की मदद से देश को गुमराह कर रहे हैं। दुबे ने मोशन में यह भी मांग की कि राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त की जाए और उन्हें जिंदगी भर चुनाव लड़ने से रोका जाए।

बीजेपी सांसद ने यह स्पष्ट किया कि यह प्रिविलेज मोशन नहीं है, बल्कि पार्लियामेंट से राहुल गांधी को सस्पेंड करने के लिए जरूरी प्रस्ताव है। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और सदन में उत्पन्न गतिरोध की जानकारी दी। लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण के दौरान बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि विपक्ष के नेता को अपने शब्दों और भाषा की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी में इस तरह की भाषा और व्यवहार उचित है। इसके अलावा, बीजेपी सांसद संजय जायसवाल ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर राहुल गांधी के भाषण से कुछ शब्द हटाने की मांग की।

सरकार और बीजेपी नेताओं का कहना है कि संसद की गरिमा और प्रक्रिया को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और इस तरह की कार्रवाइयाँ आवश्यक हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि यह मामला आगामी राजनीतिक बहस और मीडिया में लंबे समय तक चर्चा का विषय बनेगा। विपक्ष इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साध सकता है। संसद में यह मोशन और चर्चा आगामी दिनों में राज्य और राष्ट्रीय राजनीति पर असर डाल सकती है।

अमेरिका ने भारत समेत 21 देशों से साइन किए फ्री ट्रेड समझौते

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की सरकार ने पिछले एक साल में भारत समेत 21 देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) साइन किए हैं। भारत के साथ हुए समझौते की कुल वैल्यू 500 मिलियन डॉलर बताई गई है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब दुनिया का नंबर एक ऊर्जा उत्पादक और निर्यातक देश बन गया है और इन व्यापार समझौतों से अमेरिका का ऊर्जा निर्यात और बढ़ेगा। अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, कनाडा, चिली, कोलंबिया, कोस्टा रिका, डोमिनिकन रिपब्लिक, एल सल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, इजरायल, जॉर्डन, मोरक्को, मैक्सिको, निकारागुआ, ओमान, पनामा, पेरू, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और भारत के साथ समझौते किए हैं। इसके अलावा कई अन्य देशों के साथ बातचीत चल रही है और इस साल कई समझौते फाइनल होने की उम्मीद है। ट्रंप के अनुसार अमेरिका ने इन समझौतों के जरिए देशों पर लगाए टैरिफ कम किए या खत्म किए। इसके बदले अमेरिका को उन देशों के बाजार में आसान पहुंच मिली और व्यापार को बढ़ावा मिला। जापान के साथ क्रिटिकल मिनरल्स पर विशेष समझौता हुआ है। भारत के मामले में 500 मिलियन डॉलर के समझौते में अमेरिका ने भारत के टैरिफ को 18 प्रतिशत कर दिया और इसके बदले भारत ने रूस से तेल आयात को सीमित करने की शर्त मानी।

हालांकि, भारत की कुछ सरकारी तेल कंपनियों ने वेनेजुएला से तेल के ऑर्डर पहले ही बुक कर लिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ये समझौते अमेरिका के ऊर्जा सेक्टर को मजबूत करने और वैश्विक व्यापार नेटवर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। अमेरिकी सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि समझौते स्वतंत्र व्यापार नहीं हैं, बल्कि टैरिफ और प्रतिबंधों को कम करने की शर्त पर लागू हुए हैं।

कल से एक छत के नीचे आएंगे कई अहम मंत्रालय

पीएम मोदी 13 फरवरी को सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन का उद्घाटन करेंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 फरवरी को सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत बने 'सेवा तीर्थ' और 'कर्तव्य भवन-1 व 2' का उद्घाटन करेंगे। दोपहर करीब 1:30 बजे पीएम मोदी सेवा तीर्थ भवन परिसर के नाम का अनावरण करेंगे, इसके बाद दोनों भवनों का औपचारिक उद्घाटन होगा। शाम 6 बजे आयोजित जन कार्यक्रम को भी वह संबोधित करेंगे।

केंद्र सरकार के अनुसार यह कदम भारत की प्रशासनिक प्रणाली में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी बदलाव माना जा रहा है। पुराने समय में कई मंत्रालय और सरकारी कार्यालय अलग-अलग स्थानों से संचालित होते थे, जिससे समन्वय और कार्यप्रणाली में समस्या आती थी। अब सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन में इन समस्याओं का समाधान करने का दावा किया गया है। सेवा तीर्थ भवन में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय को एक ही परिसर में स्थान दिया गया है।

वहीं कर्तव्य भवन-1 और 2 में वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति, विधि और न्याय, सूचना एवं प्रसारण, कृषि एवं किसान कल्याण, कॉरपोरेट कार्य, रसायन एवं उर्वरक तथा जनजातीय कार्य मंत्रालय शामिल हैं। दोनों भवनों में आधुनिक सुविधाओं के साथ डिजिटल कार्यालय, नागरिकों के लिए पब्लिक इंटरफेस जोन और केंद्रीकृत रिसेप्शन उपलब्ध हैं।

बांग्लादेश चुनाव : गोपालगंज में मतदान स्थल पर विस्फोट, दोपहर तक 32.88% मतदान

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश में 13वें संसदीय चुनाव के लिए गुरुवार को 299 सीटों पर मतदान शुरू हो गया। यह शेख हसीना के हटने के बाद पहला आम चुनाव है, जिसमें मुख्य मुकाबला बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच है। अवामी लीग इस बार चुनाव में शामिल नहीं है। चुनाव सुरक्षा के लिए करीब नौ लाख सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। चुनाव आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद के अनुसार, दोपहर 12 बजे तक 32.88 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। देशभर के 42,651 मतदान केंद्रों में से 32,789 केंद्रों से यह आंकड़ा मिला, जो कुल केंद्रों का लगभग 77 प्रतिशत है। चुनाव आयोग ने बताया कि अब तक किसी भी मतदान केंद्र से मतदान रुकने या किसी बड़ी गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली।

हालांकि, गोपालगंज सदर उपजिला के रेश्मा इंटरनेशनल स्कूल पोलिंग स्टेशन पर एक कॉकटेल-टाइप विस्फोटक फेंके जाने से तीन लोग घायल हो गए। इसमें दो अंसार अर्धसैनिक जवान और 14 वर्षीय अमेना खानम शामिल हैं। विस्फोट से पोलिंग स्टेशन का मुख्य गेट क्षतिग्रस्त हो गया और वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने घटना स्थल से सबूत जुटा लिए हैं। इस बीच, अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने ढाका के एक मतदान केंद्र पर वोट डाला और इसे देश के लिए ऐतिहासिक दिन बताया।

उन्होंने कहा कि यह हमारे बुरे दौर के अंत और नए अध्याय की शुरुआत का अवसर है। बांग्लादेश की संसद में कुल 350 सीटें हैं, जिनमें से 50 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। सीधे चुनाव 300 सीटों के लिए ही होता है। इस बार शेरपुर-3 संसदीय सीट पर एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण मतदान नहीं हो रहा। चुनाव आयुक्त एएमएम नासिरउद्दीन ने कहा कि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हो रहा है।

रिजिजू ने लोकसभा स्पीकर के कक्ष में हुए हंगामे को लेकर नया वीडियो किया साझा

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा स्पीकर के कक्ष में हुए हंगामे को लेकर नया वीडियो साझा किया है। रिजिजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के 20-25 सांसद स्पीकर ओम बिर्ला के कक्ष में घुसकर उन्हें गालियां दे रहे थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि यह वीडियो कांग्रेस द्वारा बनाई गई अवैध क्लिप है, लेकिन यह दिखाता है कि विपक्षी सांसद संसद की मर्यादा को तोड़ रहे हैं। रिजिजू ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि बीजेपी हमेशा बहस और चर्चा में विश्वास करती है, लेकिन किसी सांसद को शारीरिक रूप से धमकी देने के लिए प्रोत्साहित नहीं करती। वीडियो में देखा जा सकता है कि विपक्षी सांसद तेज आवाज में विरोध जता रहे हैं और स्पीकर के आसपास खड़े हैं। यह वीडियो संसद के बजट सत्र के 12वें दिन जारी किया गया।

इससे पहले भी रिजिजू ने विपक्ष पर आरोप लगाया था कि वे स्पीकर के कक्ष में घुसकर नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। इस घटना के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है और संसद में विपक्ष और सरकार के बीच तनाव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस वीडियो के जारी होने से संसद में मर्यादा और कार्यप्रणाली के मुद्दे फिर से सुर्खियों में आ गए हैं।

27 फरवरी से 2 मार्च तक ठाकुर बांके बिहारीजी बरसाएंगे केसरिया रंग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। ब्रजमण्डल प्रदेश में फगुनौती बहार छा उठी है और चहुँ ओर होली की धमार गूँज रहीं हैं। मंदिरों में बसंत पंचमी से शुरू हुए 41 दिवसीय मदनोत्सव के अंतर्गत निरंतर विभिन्न प्रकार के मंगल मनोरथों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान 27 फरवरी से 2 मार्च तक जगप्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में आयोजित होने वाले होली महोत्सव की तैयारियां भी जोरदार तरीके से जारी हैं। ठाकुरजी के सेवायत इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी महाराज ने बताया कि पंच दिवसीय रंगोत्सव पर जन जन के आराध्य भगवान श्रीबाँकेबिहारीजी महाराज 27 फरवरी रंगभरनी एकादशी से 2 मार्च चतुर्दशी तक सरस रंगीली होली का आनंद उठाते हुए स्वर्णरजत पिचकारी से केसरिया रंग बरसाएंगे। पर्व के सभी दिन दोनों समय ठाकुरजी को तरह तरह की ठंडाई, चाट व जलेबियों का विशेष भोग लगाया जाएगा और सफेद रंग की पोशाकें धारण कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि 3 मार्च पूर्णिमा को चंद्रग्रहण पड़ेगा, जिसके चलते हमेशा पाँच दिन तक आयोजित होने वाला रंगीली होली महोत्सव इस बार सिर्फ चार दिन तक ही मनाया जाएगा। भक्ति एवं रंग के अदभुत संगम रंगीली होली का शुभारंभ एकादशी की सुबह होगा तथा चतुर्दशी की रात तक अनवरत चलेगा। 3 मार्च को डोलोत्सव (धुलैड़ीपर्व) मनाया जाएगा, जिसमें ठाकुरजी गुलाबी पोशाक व रत्नजड़ित आभूषण धारणकर महाराजा स्वरूप में दिव्य दर्शन प्रदान करेंगे। पर्व पर भगवान को छप्पन प्रकार के भोग एवं छत्तीस प्रकार के व्यंजन परोसे जाएंगे। गोस्वामी के अनुसार होलियों में ठाकुरजी की कमर में सुगंधित लाल गुलाल से भरा फेंटा बांधा जाएगा। रोज सबसे पहले स्वर्णरजत निर्मित पिचकारियों से सेवायतजन ठाकुरजी पर शुद्ध केसर से बने रंग की बौछार करेंगे, उसके बाद ही यह रंग श्रद्धालुओं पर बरसाया जाएगा। इस अलौकिक दृश्य को देखने के लिए हर बार की तरह लाखों श्रद्धालु वृंदावन में उमड़ेंगे। अपने आराध्य से होली खेलने के लिए दूरदराज रहने वाले बहुत से लोग तो अभी से आने लगे हैं, जिनकी वजह से होटल और धर्मशालाओं में कमरे फुल होने के बोर्ड लगते जा रहे हैं।

पूर्णिमा को चंद्रग्रहण के चलते एक दिन कम मनेगा पंचदिवसीय रंगीली होली महोत्सव

ब्रजधाम में है फूलों से लेकर गोबर होली तक की परम्पराएं

यूनिक समय, वृन्दावन। इतिहासकार बताते हैं कि ब्रजधाम में गायन, वादन, समूह नृत्य, हुडदंग, केसरखीस, टेसू के फूल का रंग, चोबा, चंदन, इत्र, अरगजा, अबीर, गुलाल व फूलों की होली से लेकर कीचड़–गोबर से होली खेलने तक की परंपराएं है, जिनका आज भी बखूबी पालन किया जाता है।

होली पद गायन से रागसेवा होगी जीवंत

यूनिक समय, वृंदावन। होलियों में बिहारीजी मंदिर में सेवायतजन तीनों आरतियों के समय चौक में एकत्र होकर सामूहिक रूप से होली पदों का गायन करते हैं, जिससे ब्रज की प्राचीन रागसेवा परंपरा जीवंत होती है। गोपी के गाल मुलाबिन पै मल लाल गुलाल लगाबत लाला और तंग गली में घिरे ललना पै उड़ेलत रंग ललीन की टोली जैसे लोकप्रिय होली पदों की मधुर गूंज से संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिरस में डूब जाता है। इस दौरान जगह–जगह ढोलक, डप, चंग, मृदंग, खड़ताल, चिमटा, मंजीरा जैसे प्राचीन वाध्य यंत्र आदि पर होली समाज गायन भी किया जाता है।

एकादशी व पूर्णिमा पर लगेगी परिक्रमा

यूनिक समय, वृंदावन। रंगभरनी एकादशी एवं होली पूर्णिमा पर वृंदावन की पंच कोसीय परिक्रमा भी लगाई जाएगी और यमुना स्नान भी किया जाएगा।

बांके बिहारी मंदिर में महिला श्रद्धालु के साथ हुई चोरी का खुलासा

मंदिर में चोरी करने वाली चार महिला सहित आठ गिरफ्तार

यूनिक समय, वृंदावन। प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में महिला श्रद्धालु के बैग से सोने–चांदी के आभूषण पार करने वाले एक शातिर गैंग के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में चार महिला भी शामिल हैं। चौबीस घंटे में हुए खुलासे ने जहां श्रद्धालुओं को चौंका दिया। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को बांके बिहारी मंदिर से पंजाब भटिंडा की रहने वाले राघव गोयल की मां के बैग से अज्ञात चोरों ने सोने–चांदी के कीमती आभूषण व नगदी पर हाथ साफ कर दिया था। महिला को जब इस बात का अहसास हुआ, तो मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया। तत्काल इसकी सूचना मंदिर सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय पुलिस को दी गई। इस संबंध में महिला के पुत्र राघव गोयल ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया था। कोतवाली प्रभारी संजय कुमार पांडेय ने एक पुलिस टीम गठित कर जांच सौंपी गई।

टीम ने मंदिर परिसर और आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और फुटेज के आधार पर अभियुक्तों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने श्रोतमुनि आश्रम से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते के समीप से चार महिला सहित आठ लोगों को दबोच लिया। क्षेत्राधिकारी सदर पीतम पाल सिंह ने बताया कि पकड़ी गई महिला अभियुक्ताओं व अभियुक्तों के कब्जे से सोने–चांदी के आभूषण व नगदी बरामद हुई है। गिरफ्तार अभियुक्तों में कुंदन मंडल, राजीव मंडल, गणेश मंडल, अरमान वेद के अलावा चार महिला अभियुक्त भी शामिल हैं।

अभियुक्तों से सोने चांदी के आभूषण व नकदी हुई बरामद

मैरिज होम में हवाई फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। बलदेव पुलिस ने एक मैरिज होम में डीजे बजाने वाले और लड़की पक्ष के साथ हुए झगड़े में हवाई फायरिंग करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी पिस्टल व कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 8 फरवरी की रात को अभि गार्डन अवैरनी मैरिज होम में शादी के प्रोग्राम के दौरान डीजे पर गाना बजाने को लेकर युवक गोविंद निवासी कैलाशनगर थाना जैंत का डीजे वाले से झगड़ा हो गया था। इसी बीच लड़की पक्ष के लोगों ने इसका विरोध किया तो उसने उनके साथ भी झगड़ा करते हुए देशी पिस्टल से हवाई फायरिंग कर लोगों में दहशत फैला दी। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने अभियुक्त को हनुमान तिराहे के समीप विद्युत उप केंद्र के समीप से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी रिवाल्वर और कारतूस बरामद किए हैं।

देशी पिस्टल कारतूस हुए बरामद

भट्टे पर मजदूरी करने वाला युवक शराब के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। सुरीर पुलिस ने भट्टे पर अवैध रूप से शराब बेचने वाले एक मजदूर को गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके पास से 18 पव्वा देशी शराब मिली है। पुलिस के अनुसार बासुदेव राम निवासी मुजफ्फरपुर बिहार एक भट्टे पर मजदूरी करता है।

बताया गया कि वह देशी शराब के 18 पाउच लेकर बिक्री करने के लिए ले जा रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

बाइक सवार बदमाशों ने दो वाहनों पर फायरिंग की

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र के राधानगर इलाके में बीती रात बाइक सवार बदमाशों द्वारा दो वाहनों पर फायरिंग करने से इलाके में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि गोली दोनों वाहनों के चालकों न लगकर गाड़ी के पार निकल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। चौकी कृष्णानगर क्षेत्र के राधानगर इलाके में बीती रात बाइक सवार बदमाशों ने रात को बदमाशों ने पहली गाड़ी पर ड्राइवर साइड की खिड़की पर गोली चलाई। गोली गाड़ी से क्लीनर साइड पर होती हुई बाहर निकल गई। गनीमत रही की गोली चालक को नहीं लगी। इसके बाद इसी पेटर्न पर बदमाशों ने स्कार्पियो चालक पर भी गोली चलाई। गोली ड्राइवर साइड की खिड़की में लगती हुई कार से पार निकल गई। वाहनों पर की जाने वाली फायरिंग की वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। इस सनसनीखेज घटना का पता लगने पर कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्रा और कृष्णानगर चौकी इंचार्ज विपिन कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने बदमाशों की तलाश में इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकाला और बदमाशों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि घटना करने वाले बदमाशों को शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी

नम आंखों से छात्र–छात्राओं को दी विदाई

एसपीएस इंटरनेशनल अकादमी में आयोजित विदाई समारोह में छात्राएं।

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां। एसपीएस इंटरनेशनल अकादमी में कक्षा 12 के छात्र–छात्राओं के लिए आयोजित विदाई समारोह में जूनियर छात्रों ने अपने सीनियर्स को नम आँखों से विदाई दी। मुख्य अतिथि विद्यालय की एकेडमिक डायरेक्टर डाक्टर रेखा गोयल थी। उन्होंने अनुशासन व कठिन परिश्रम को सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन के किसी भी क्षेत्र में विद्यालय का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कक्षा 11 के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति आभार जताया। संचालन कक्षा 11वीं की दिया चौधरी एवं शिवानी चौधरी ने किया। इससे पहले प्रधानाचार्य राव राजेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने की कामना की।

अनुशासन व कठिन परिश्रम सफलता की कुंजी : डा. रेखा गोयल

यमुना एक्सप्रेस वे पर सफर करने से डरने लगे हैं लोग

लंबे रूटों की बस अब भी भर रही हैं रफ्तार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर अब सफर करने में डरने लगे हैं। वजह साफ है कि पिछले दो बड़े सड़क हादसों में कई लोगों की जान जाने के बाद अब लोग रात का सफर सोच समझकर करने लगे हैं। हालांकि लंबे रूट की बस तो अब भी चल रही हैं। इन बसों में सवार यात्रियों को बार–बार हादसों की कहानी याद आती है, लेकिन क्या करें मजबूरी में यात्रा करते हैं। जानकारों की मानें तो रात के समय यमुना एक्सप्रेस वे पर लंबी रूट की निजी बस रफ्तार के साथ चलती है। शायद ही इन बसों की चेकिंग रोजाना की जाती है। यदि ईमानदारी के साथ इन बसों की चेकिंग हो जाए तो बड़ा झोल सामने आ सकता है। इन बसों को चलाने के लिए कहां से कहां तक परमिट है। क्या बस का चालक नशे में है या नहीं। बस में व्यापारिक माल ले जा रहा हैं या नहीं। जानकार बताते हैं कि रात के समय यमुना एक्सप्रेस वे पर दौड़ने वाली बसों में माल के पार्सल भी होते है, जो दिल्ली से चलते हैं। इनके पास जीएसटी के बिल होते हैं, लेकिन वह माल से कीमत से कम राशि के होते हैं। सिर्फ दिखावा के लिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही हादसे रोकने के लिए कितने भी दिशा निर्देश दे दें। यहां अधिकारियों के अधीनस्थ काम करने वाले तो अपने हिसाब से चेकिंग करेंगे। चाहे भले ही कोई हादसा हो जाए और कितने लोग मर जाएं। हर हादसे के बाद जांच होगी। जांच की रिपोर्ट क्या होती है। रिपोर्ट में हादसे रोकने के लिए क्या बिंदु होते हैं, वह उजागर नहीं होते हैं।

चेकिंग किस तरह से होती, समझ से बाहर

गोकुल में बनाई आठ दुकानों को किराये पर उठवाने की मांग

यूनिक समय, गोकुल (मथुरा)। नगर पंचायत के अध्यक्ष संजय दीक्षित ने वित्तीय वर्ष 2020–21 में पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के अन्तर्गत वार्ड नं दो बांस दरवाजे पर आठ दुकानों का निर्माण कराया गया है। दुकानों का निर्माण नगर पंचायत की आय में वृद्धि के लिये कराया गया हैं किन्तु अभी तक इनको किराये पर नही उठाया गया, जिससे नगर पंचायत में आय की हानि हो रही है।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053